संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

■ वर्ष -17 ■ अंक-152 ■ रायपुर, शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



वारः शुक्रवार
तिथिः कार्तिक कृष्ण पंचमी
पक्षः कार्तिक पक्ष
मासः कार्तिक (कृष्ण पक्ष)
ऋतुः शरद ऋतु
विक्रम संवतः 2083
शक संवतः 1948
नक्षत्र, योग और करण
नक्षत्रः मृगशिरा सुबह 09:04 तक, तत्पश्चात आर्द्रा।
योगः शिव रात्रि 08:41 तक, तत्पश्चात सिद्ध।
करणः कौलव सुबह 08:45 तक, तत्पश्चात तैतिल शाम 07:24 तक।
चन्द्र राशिः मिथुन राशि में।
सूर्य राशिः तुला राशि में
पंचकः आज पंचक नहीं है।
अभिजीत मुहूर्तः सुबह 11:42 से दोपहर 12:27 तक।
राहुकालः सुबह 10:41 से दोपहर 12:05 तक

दो पैन कार्ड मामले में आजम खां और उनके बेटे को हाई कोर्ट से राहत

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दो पैन कार्ड रखने के मामले में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री आजम खां तथा उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को बड़ी राहत दी है। अदालत ने दोनों की जमानत अर्जी मंजूर करते हुए उनकी सजा निलंबित कर दी है। हालांकि, दोषसिद्धि पर रोक लगाने की मांग खारिज कर दी गई है। ऐसे में इस मामले में जमानत मिलने के बावजूद आजम खां और अब्दुल्ला आजम की जेल से रिहाई अन्य मामलों में उनकी कानूनी स्थिति पर निर्भर करेगी। न्यायमूर्ति समित गोपाल की एकलपीठ ने दोनों की पुनरीक्षण याचिकाओं पर सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया। याचिकाओं में अधीनस्थ अदालतों द्वारा दो पैन कार्ड रखने के मामले में सुनाई गई सजा और दोषसिद्धि को चुनौती दी गई थी। अभियोजन पक्ष का मामला कथित तौर पर अलग-अलग जन्मतिथियों का उल्लेख करने वाले दूसरे पैन कार्ड को प्राप्त करने और उसका इस्तेमाल करने से संबंधित है। आरोपों में चुनावी नामांकन पत्रों में इस पैन कार्ड के कथित इस्तेमाल का पहलू भी शामिल है। आजम खां की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता ने पैरवी की। अभियोजन के अनुसार, यह मामला कथित तौर पर अलग-अलग जन्मतिथियों का उल्लेख करने वाले दूसरे पैन कार्ड को बनवाने और उसके इस्तेमाल से जुड़ा है।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने रद्द किया IMPPA का फैसला

मुंबई। न्यायमूर्ति आरिफ एस. डॉक्टर ने 3 जुलाई को इम्पा द्वारा दिए गए फैसले को रद्द कर दिया और मुकदमे का निपटारा कर दिया। इसे प्रोडक्शन बैनर के लिए एक बड़ी कानूनी जीत माना जा रहा है। प्रोड्यूसर निखिल द्विवेदी और उनके प्रोडक्शन बैनर सफ्रॉन मैजिकवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड को बड़ी कानूनी राहत मिली है। दरअसल, बॉम्बे हाई कोर्ट ने इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (IMPPA) की डिस्प्यूट रेज़ोल्यूशन कमेटी द्वारा कंपनी के खिलाफ दिए गए फैसले को रद्द कर दिया गया। 3 जुलाई, 2026 को प्रोडक्शन हाउस ने IMPPA अवॉर्ड को चुनौती देने के लिए कोर्ट का रुख किया था।

कमजोर पड़ा अर्नब चक्रवात, लेकिन कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

छत्तीसगढ़ में बारिश और तेज हवाओं का खतरा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत के पूर्वी तट पर तबाही मचाने वाला चक्रवात अर्नब अब कमजोर पड़ने लगा है लेकिन इसका असर अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। 29 अक्टूबर 2026 को मौसम की ताजा स्थिति के अनुसार चक्रवात आंध्र प्रदेश के तट से टकराने के बाद कमजोर होकर गहरे दबाव वाले क्षेत्र में बदल गया है। इसके अवशेष आगे बढ़ते हुए पूर्वी और मध्य भारत के कई राज्यों में बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं का कारण बन सकते हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के पूर्वानुमान के अनुसार, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पूर्वी मध्य प्रदेश और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में भारी बारिश की आशंका है। वहीं, पश्चिम बंगाल और सिक्किम सहित कुछ अन्य क्षेत्रों में भी मौसम खराब रह सकता है।

अर्नब चक्रवात ने 28 अक्टूबर की सुबह आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी के यानम क्षेत्र के आसपास तट पार किया था। तट पर पहुंचने से पहले यह बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान बन गया था। इसके कारण तटीय इलाकों में तेज हवाएं चलीं, पेड़ और बिजली के खंभे गिरे तथा कई जगह बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। IMD के 29 अक्टूबर के बुलेटिन के मुताबिक 28 अक्टूबर की रात 11:30 बजे तक यह सिस्टम कमजोर होकर गहरे दबाव वाले क्षेत्र में बदल चुका था। उस समय इसका केंद्र ओडिशा के मलकानगिरी से लगभग 60 किलोमीटर दक्षिण में था। मौसम विभाग ने इसके आगे उत्तर दिशा में बढ़ने और 29 अक्टूबर के दौरान और कमजोर होकर कम दबाव वाले क्षेत्र में बदलने का अनुमान जताया। इसका मतलब है कि चक्रवात की ताकत कम हो रही है लेकिन इससे जुड़ी नमी और अस्थिर मौसम की स्थिति के कारण कई राज्यों में बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है।



चक्रवात अर्नब का सबसे ज्यादा सीधा असर पूर्वी तट पर पड़ा है लेकिन इसके कमजोर अवशेष देश के अंदरूनी हिस्सों में भी मौसम बदल सकते हैं।

छत्तीसगढ़: बारिश और तेज हवाओं का खतरा

छत्तीसगढ़ में भी चक्रवात के कमजोर अवशेषों के कारण बारिश की संभावना बनी हुई है। खासकर उत्तरी और मध्य हिस्सों में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। बस्तर संभाग के कुछ जिलों में भी पहले से खराब मौसम का असर देखा गया है।

लगातार बारिश से निचले इलाकों में पानी भरने, नदी-नालों का जलस्तर बढ़ने और ग्रामीण मार्गों पर आवागमन प्रभावित होने की आशंका रहती है। प्रशासन की ओर से जारी स्थानीय चेतावनियों का पालन करना जरूरी है।

पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों में 31 अक्टूबर तक भारी बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं, सिक्किम की राजधानी गंगटोक और आसपास के क्षेत्रों में बारिश शुरू होने की रिपोर्ट सामने आई है। पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश होने पर भूस्खलन और सड़क बाधित होने का जोखिम बढ़ सकता है।

बिहार में भी चक्रवात के कमजोर अवशेषों का असर देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 29 और 30 अक्टूबर को राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं, कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका भी जताई गई है।

चक्रवात 'अर्नब' : किसानों के लिए कृषि मौसम विभाग ने जारी की विशेष सलाह

धान की कटाई और मिंजाई फिलहाल टालने की सलाह

रायपुर ■ दैनन्दिनी

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव से छत्तीसगढ़ के विभिन्न हिस्सों में आगामी दिनों में बारिश, तेज हवाएं और गरज-चमक के साथ वज्रपात की संभावना जताई गई है। इसे देखते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने किसानों के लिए विशेष मौसम आधारित कृषि परामर्श जारी किया है। विभाग ने किसानों से धान सहित अन्य खरीफ फसलों की कटाई और मिंजाई का कार्य फिलहाल स्थगित रखने तथा खेतों में तैयार फसलों एवं कृषि उपज को सुरक्षित रखने की अपील की है।

कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त पूर्वानुमान में चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव से 29 अक्टूबर को प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर मध्यम वर्षा तथा कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी बारिश की संभावना है। इस दौरान एक-दो स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा भी हो सकती है। प्रदेश में गरज-चमक के साथ वज्रपात और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने बताया कि 29 अक्टूबर को रायपुर, बलौदाबाजार, बलरामपुर-रामानुजगंज, जशपुर, कोरिया, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, कोरबा, जांजगीर-चांपा, कबीरधाम, महासमुंद, रायगढ़, सक्ती एवं सारंगढ़-बिलाईगढ़ सहित विभिन्न जिलों में बारिश का प्रभाव अधिक रह सकता है। वहीं 30 एवं 31 अक्टूबर को भी प्रदेश के अनेक हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश तथा कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ वज्रपात की संभावना बनी रहेगी। एक और दो नवंबर को भी कुछ जिलों में वर्षा का दौर जारी रहने का पूर्वानुमान है।

कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि जिन खेतों में धान, दलहन एवं तिलहन की फसलें पकने की अवस्था में हैं, उनकी कटाई कम से कम आगामी दो दिनों तक टाल दें।

चक्रवात 'अर्नब' को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री साय से की चर्चा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से दूरभाष पर चर्चा कर चक्रवात 'अर्नब' के मद्देनजर छत्तीसगढ़ की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री साय ने उन्हें प्रदेश में बारिश और उससे उत्पन्न परिस्थितियों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि चक्रवात के प्रभाव से प्रदेश में बारिश हो रही है, लेकिन अभी तक कहीं से भी बाढ़ की स्थिति अथवा जन हानि की सूचना नहीं है। राज्य सरकार स्थिति पर सतत निगरानी रख रही है और किसी भी संभावित परिस्थिति से निपटने के लिए सतर्क है।



मुख्यमंत्री श्री साय ने चक्रवात से प्रभावित राज्यों को हरसंभव सहायता का आश्वासन देने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। संबंधित विभागों और जिला प्रशासन के समन्वय से आवश्यक सतर्कता बरती जा रही है, ताकि जरूरत पड़ने पर तत्काल राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित किए जा सकें।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ सहित आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पुडुचेरी के मुख्यमंत्रियों से चर्चा कर चक्रवात की स्थिति की जानकारी ली है। उन्होंने प्रभावित राज्यों को केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया है।

सुप्रीम कोर्ट की डिजिटल अरेस्ट स्कैम पर सख्त टिप्पणी

ठगी होने पर बैंक को लौटाना पड़ेगा पैसा?

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर हो रही साइबर ठगी पर गहरी चिंता जताई है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया यानी कि CJI सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली 3 जजों की बेंच ने कहा कि जागरूकता अभियान चलाए जाने और इस तरह की ठगी की खबरें लगातार सामने आने के बावजूद लोग इसका शिकार हो रहे हैं। कोर्ट ने संदिग्ध बैंक लेन-देन को समय रहते रोकने और साइबर ठगी के पीड़ितों को मुआवजा देने के लिए नियम बनाने पर जोर दिया। बता दें कि हाल ही में CJI ने कहा था कि डिजिटल अरेस्ट पर न्यायपालिका सक्रिय है और संसद के कानून का इंतजार नहीं कर सकती।

'मोबाइल पर कोई गिरफ्तार कैसे हो सकता है?'

सुनवाई के दौरान CJI सूर्यकांत ने सवाल उठाया कि लोग कैसे मान लेते हैं कि उन्हें मोबाइल फोन के जरिए गिरफ्तार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि लगातार जागरूकता फैलाए जाने के बावजूद लोग इस तरह की ठगी को समझ क्यों नहीं पा रहे हैं। इस मामले की सुनवाई



CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की तीन सदस्यीय बेंच कर रही थी। कोर्ट को बताया गया कि हाल ही में एक महिला डिजिटल अरेस्ट स्कैम में 2.5 करोड़ रुपये गंवा बैठी।

संदिग्ध लेन-देन को तुरंत रोकने की जरूरत

सुप्रीम कोर्ट ने बैंकों की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर किसी खाते से ऐसा लेन-देन होता है, जो खाताधारक के पुराने लेन-देन से बिल्कुल अलग है, तो बैंक उसे तुरंत रोककर उसकी जांच क्यों नहीं कर सकते? कोर्ट ने कहा कि ठगी होने के बाद केवल रिपोर्ट तैयार करना काफी नहीं है। जरूरी है कि ऐसी घटनाओं को पहले ही रोका जाए, ताकि लोगों की मेहनत की कमाई सुरक्षित रह सके।

'पुलिस से न डरें, लाठियों की चिंता न करें', राहुल गांधी की अपील, 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में मार्च

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाले 'चलो दिल्ली' मार्च में लोगों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा कर कहा कि यह मार्च लोकतंत्र और संविधान की रक्षा करने तथा कथित 'वोट चोरी' को रोकने के लिए निकाला जा रहा है। राहुल गांधी ने जोर देकर कहा कि यह किसी एक राजनीतिक दल का



कार्यक्रम नहीं, बल्कि पूरे देश की आवाज है। बता दें कि व्यापारी संघ ने चिट्ठी लिखकर राहुल से इस रैली को स्थगित करने की मांग की थी।

'चलो दिल्ली रामलीला मार्च, लोकतंत्र को बचाने का, वोट चोरी को रोकने का, संविधान को बचाने का मार्च है। यह किसी एक राजनीतिक पार्टी का मार्च नहीं, यह हिंदुस्तान की आत्मा का मार्च है। सब लोग जो नरेंद्र मोदी, अमित शाह, ज्ञानेश कुमार से तंग हैं। सब लोग जो लोकतंत्र को बचाना चाहते हैं, संविधान की रक्षा करना चाहते हैं, आप सब आइए। एक ही प्रोटेस्ट है, देश का प्रोटेस्ट है।'

राहुल गांधी ने लोगों से अपील की कि वे पुलिस कार्रवाई या लाठीचार्ज की आशंका से न घबराएं। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी में मार्च को रोकने के लिए किसी तरह की कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं होगी।

बस पलटी, मची अफरा-तफरी, 30 यात्री थे सवार

बलरामपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में गुरुवार को एक यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बस में करीब 25 से 30 यात्री सवार थे। हादसे में यात्रियों को हल्की चोटें आई है। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। पूरा मामला पस्ता थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार, यात्री बस बलरामपुर से अंबिकापुर की ओर जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में दूसरे वाहन को साइड देने के दौरान निर्माणाधीन सड़क के किनारे की मिट्टी धंस गई। इससे बस अनियंत्रित होकर पलट गई।



बस पलटते ही मौके पर यात्रियों के बीच चीख-पुकार मच गई। बस में सवार लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसे में कुछ यात्रियों को हल्की चोटें आई हैं। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने भी मदद की।

क्षेत्र में अर्नव तूफान के प्रभाव से लगातार बारिश हो रही है। बारिश के कारण निर्माणाधीन सड़क के किनारे की मिट्टी कमजोर होने से हादसे की आशंका बढ़ गई है। ऐसे में सड़क से गुजरने वाले वाहन चालकों को सावधानी बरतने की जरूरत है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस दुर्घटना के संबंध में आवश्यक जानकारी जुटा रही है।

बिलासपुर-कोलकाता सीधी उड़ान एक फेरे के बाद बंद

हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति नाराज, आंदोलन की दी चेतावनी

बिलासपुर ■ एजेंसी

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से कोलकाता के बीच शुरू हुई सीधी हवाई सेवा एक ही फेरे के बाद बंद हो गया है। इस फैसले को लेकर हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने नाराजगी जताई है। समिति ने आरोप लगाया है कि विंटर शेड्यूल में शामिल इस उड़ान को छत्तीसगढ़ सरकार के निर्देश पर बंद किया गया है। हालांकि, इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि सामने आना बाकी है। जानकारी के अनुसार, रविवार को बिलासपुर से कोलकाता के लिए पहली सीधी उड़ान संचालित हुई थी।



इस उड़ान से 36 यात्रियों ने कोलकाता का सफर किया था। इसके बाद शुक्रवार को होने वाली अगली उड़ान के लिए 42 यात्रियों ने टिकट बुक कराए थे, लेकिन उड़ान बंद होने के कारण उनकी बुकिंग रद्द कर दी गई और टिकट की राशि वापस लौटा दी गई।

'उल्टा मार्च' के बाद उड़ान बंद होने पर उठे सवाल

हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने उड़ान बंद होने के समय को लेकर भी सवाल उठाए हैं। समिति का कहना है कि बिलासपुर में नागरिकों द्वारा हवाई सुविधाओं की मांग को लेकर 'उल्टा मार्च' निकाले जाने के महज दो दिन बाद ही सीधी उड़ान बंद हो गई। समिति ने इसे बिलासपुर की हवाई कनेक्टिविटी के साथ लगातार हो रही उपेक्षा से जोड़ते हुए नाराजगी जताई है।

समिति ने उप मुख्यमंत्री अरुण साव, वरिष्ठ विधायक अमर अग्रवाल और धरमलाल कौशिक से मामले में हस्तक्षेप करने तथा बिलासपुर-कोलकाता सीधी उड़ान को तत्काल बहाल कराने की मांग की है। समिति का कहना है कि बिलासपुर क्षेत्र के यात्रियों को बेहतर हवाई सुविधा मिलनी चाहिए। सीधी उड़ान बंद होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा और क्षेत्र की हवाई कनेक्टिविटी भी प्रभावित होगी। हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने चेतावनी दी है कि यदि बिलासपुर-कोलकाता सीधी उड़ान को जल्द बहाल नहीं किया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

बंद फ्लैट में 3 भाई-बहनों के शव मिले

विरार (एजेंसी)। महाराष्ट्र के विरार पश्चिम के ग्लोबल सिटी इलाके में एक बंद फ्लैट से तीन भाई-बहनों के शव मिलने से हड़कंप मच गया है। पुलिस को प्राथमिक संदेह है कि तीनों ने जहर पीकर आत्महत्या की होगी। मृतकों में से एक कैंसर से पीड़ित था और परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा था। इसी वजह से तीनों ने जहर पीकर आत्महत्या की होगी, पुलिस ने ऐसा संदेह जताया है। हालांकि, उनकी मौत का सही कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

यह घटना ग्लोबल सिटी स्थित के 3 के एवेन्यू (K3 K Avenue) इमारत की डी विंग के फ्लैट नंबर 1203 में हुई। बंद फ्लैट से तेज दुर्गंध आने पर इमारत के निवासियों ने सोसायटी के सचिव को इसकी जानकारी दी। इसके बाद सचिव ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही बोलींज पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दरवाजा खोला तो अंदर 3 शव मिले। जानकारी के मुताबिक, मृतक तीनों आपस में भाई-बहन थे और उनकी उम्र 40 वर्ष से ज्यादा थी। मृतकों की उम्र लगभग 45 से 50 वर्ष के बीच बताई जा रही है। मृतकों में एक भाई का नाम कुमार मेहता बताया गया है। बताया जा रहा है कि मौत से पहले भाई-बहनों में से एक ने अपने मोबाइल फोन पर वीडियो रिकॉर्ड किया था।

'गर्लफ्रेंड को कॉन्सर्ट में कभी नहीं ले जाना', जाह्नवी कपूर की वीर पहाड़िया की एडवाइस ने मचाया बवाल

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर अपने एक बयान को लेकर सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना कर रही हैं। करण जौहर के चर्चित चैट शो 'कॉफी विद करण' में जाह्नवी ने अभिनेता वीर पहाड़िया को डेटिंग से जुड़ी एक सलाह दी, जो अब चर्चा का विषय बन गई है। अभिनेत्री ने महज एक लाइन में कहा, 'उसे कभी कॉन्सर्ट में मत ले जाना।' जाह्नवी की इस टिप्पणी को सोशल मीडिया यूजर्स वीर की एक्स गर्लफ्रेंड तारा सुतारिया और सिंगर एपी ढिल्लों के मुंबई कॉन्सर्ट से जुड़े पुराने विवाद से जोड़कर देख रहे हैं। कई लोगों ने इसे एक दूसरी महिला पर निशाना साधने वाला मजाक बताया है। हालांकि, शो में जाह्नवी ने इस टिप्पणी के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं की।

'कॉफी विद करण' के रैपिड-फायर राउंड में करण जौहर ने जाह्नवी कपूर से पूछा कि वह वीर पहाड़िया को क्या डेटिंग सलाह देना चाहेंगी। इस पर जाह्नवी ने तुरंत जवाब दिया, 'कॉन्सर्ट में कभी मत ले जाना।' उनके इस जवाब के बाद करण जौहर, वरुण धवन और शो में खास मौजूदगी दर्ज कराने वाले अर्जुन कपूर की प्रतिक्रियाएं भी देखने को मिलीं। जाह्नवी की यह टिप्पणी सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बहस शुरू हो गई। कुछ लोगों को उनका जवाब मजाकिया लगा, लेकिन कई यूजर्स ने इसे अनुचित बताते हुए अभिनेत्री की आलोचना की। एक यूजर ने लिखा कि दूसरी महिलाओं को नीचा दिखाना मजेदार नहीं, बल्कि शर्मनाक है। वहीं, एक अन्य यूजर ने टिप्पणी की कि हैम्पर जीतने के लिए जाह्नवी ने इतना गिरा हुआ मजाक किया। कुछ लोगों ने निराशा जताई कि अभिनेत्री ने किसी दूसरी महिला को मजाक का



विषय बनाने के बजाय इस टिप्पणी से बचने का विकल्प क्यों नहीं चुना।

तारा सुतारिया और एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट से क्या है कनेक्शन?

जाह्नवी के बयान को तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया के पुराने रिश्ते से जोड़कर देखा जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक तारा और वीर ने साल 2025 की शुरुआत में एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था। दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गया और उनके इटली में छुट्टियां मनाने की खबरें भी सामने आई थीं। जुलाई 2025 में दोनों ने इंस्टाग्राम पर अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था। हालांकि, करीब छह महीने बाद उनके अलग होने की खबरें सामने आईं, लेकिन दोनों ने ब्रेकअप की सटीक वजह सार्वजनिक रूप से नहीं बताई। दिसंबर 2025 में तारा सुतारिया एपी ढिल्लों के मुंबई कॉन्सर्ट में उनके साथ स्टेज पर नजर आई थीं। इस दौरान सिंगर ने तारा को गले लगाया और उनके गाल पर किस किया। कार्यक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इसके बाद दोनों की नजदीकियों और वीर की प्रतिक्रिया को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जाने लगीं। कॉन्सर्ट से जुड़ी चर्चा के बीच एक अन्य वीडियो भी वायरल हुआ, जिसे कुछ लोगों ने वीर की नाराजगी से जोड़कर देखा। हालांकि, वीर पहाड़िया ने बाद में स्पष्ट किया था कि उनकी प्रतिक्रिया बताने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा फुटेज कॉन्सर्ट के किसी दूसरे हिस्से का था। दूसरी ओर, तारा सुतारिया ने भी अपने खिलाफ फैल रही बातों पर आपत्ति जताई थी।

साई पल्लवी ने क्यों एमबीबीएस छोड़कर चुना अभिनय? रणबीर कपूर ने मजाकिया अंदाज में बताई वजह

मुंबई (एजेंसी)। नितेश तिवारी की फिल्म रामायण 5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में रणबीर कपूर और साई पल्लवी भगवान राम और मां सीता की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के प्रमोशन के लिए दोनों जल्द ही अमिताभ बच्चन के शो कौन बनेगा करोड़पति 18 में नजर आएंगे। शो के निर्माताओं ने इसका प्रोमो भी साझा किया है,



जिसमें दोनों सितारे अमिताभ के साथ मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं। अमिताभ ने शो में साई से पूछा, आपने डॉक्टर बनने की पढ़ाई की थी, फिर आप यहां कैसे आ गईं?

इसके जवाब में साई ने कहा कि शायद उनकी किस्मत में ही अभिनेत्री बनना लिखा था। उन्होंने कहा, भगवान ने ऐसा ही लिखा था। मेरी किस्मत में अभिनय करना ही लिखा था।

जब दर्शकों ने साई के लिए तालियां बजाईं, तो रणबीर ने बात में जुड़ते हुए कहा, सर, यह भगवान का प्रिस्क्रिप्शन था कि उन्हें अभिनय करनी है। इस प्रोमो को देखकर दर्शक इस एपिसोड को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रामायण के कलाकारों वाला विशेष एपिसोड 29 और 30 अक्टूबर को प्रसारित होने वाला है। रामायण को 2026 की सबसे बड़ी बॉक्स ऑफिस फिल्म के रूप में प्रमोट किया जा रहा है। रणबीर और साई के साथ-साथ यश, सनी देओल, रवि दुबे, रकुल प्रीत सिंह, अरुण गोविल, लारा दत्ता और कई अन्य कलाकार भी नजर आएंगे।

32 साल बाद बड़े पर्दे पर लौटेगी अक्षय कुमार की 'मोहरा'



मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और नसीरुद्दीन शाह की चर्चित एक्शन फिल्म 'मोहरा',32 साल बाद एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। त्रिमूर्ति फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड ने फिल्म की दोबारा रिलीज की पुष्टि की है। वर्ष 1994 में प्रदर्शित यह लोकप्रिय फिल्म 6 नवंबर को बड़े पर्दे पर वापसी करेगी। खास बात यह है कि उसी दौरान इसका मुकाबला रणबीर कपूर और यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' से होने की संभावना है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, दीपेंद्र सिंह की कंपनी 'रिम्पी फिल्म्स इंटरनेशनल' फिल्म 'मोहरा' को आधुनिक 4के तकनीक में दोबारा तैयार कर रिलीज कर रही है। कंपनी पिछले कई दिनों से सामाजिक माध्यमों पर फिल्म की वापसी के संकेत दे रही थी। इसके साथ ही त्रिमूर्ति फिल्म्स के बैनर तले बनी कुछ अन्य चर्चित फिल्मों को भी दोबारा सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने की योजना सामने आई है।

इन फिल्मों में 'विधाता' (1982), 'युद्ध' (1985), 'त्रिदेव' (1989) और 'गुप्त' (1994) के नाम शामिल हैं। हालांकि, इन फिल्मों की दोबारा रिलीज की तारीखों को लेकर अभी अलग से आधिकारिक घोषणा की जानकारी सामने नहीं आई है।

राजीव राय के निर्देशन में बनी 'मोहरा' 1 जुलाई 1994 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों का शानदार प्रतिसाद मिला था और यह बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफल फिल्मों में शामिल हुई। इसकी कहानी, दमदार अभिनय और संगीत ने इसे लोकप्रियता दिलाई।

फिल्म में अक्षय कुमार और नसीरुद्दीन शाह के अलावा सुनील शेट्टी, रवीना टंडन, परेश रावल, गुलशन ग्रोवर, रजा मुराद और पूनम झावर ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं।

रामायण के 7 दिनों में बिके बंपर टिकट, एडवांस बुकिंग से 13.14 करोड़ रुपये हुई कमाई, देशभर में बिके करीब 2.43 लाख टिकट

मुंबई (एजेंसी)। निर्देशक नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' सिनेमाघरों में 5 नवंबर को रिलीज होने वाली है। फिल्म की अग्रिम टिकट बुकिंग दशहरा के अवसर पर 20 अक्टूबर को शुरू हुई थी। शुरुआती दिनों में ही फिल्म को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिलती दिखाई दे रही है। अभिनेता रणबीर कपूर अभिनीत इस फिल्म ने अग्रिम टिकट बिक्री के जरिए अब तक 13.14 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।

फिल्मों की कमाई और टिकट बिक्री के आंकड़े उपलब्ध कराने वाली वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, देशभर में 'रामायण' के लगभग 2.43 लाख टिकट बिक चुके हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, सुबह 6 बजे के बाद भी 2.77 लाख रुपये मूल्य के टिकटों की बुकिंग हुई। हालांकि, अग्रिम बुकिंग के शुरुआती आंकड़े उत्साहजनक हैं, लेकिन फिल्म की वास्तविक सफलता



का आकलन सिनेमाघरों में प्रदर्शन शुरू होने के बाद ही हो सकेगा।

भाषा के आधार पर देखें तो 'रामायण' की अग्रिम बुकिंग में हिंदी सबसे आगे है। हिंदी संस्करण से अब तक 11.34 करोड़ रुपये की कमाई दर्ज की गई है। इसके बाद कन्नड़ संस्करण का स्थान है, जिसने 1.38 करोड़ रुपये जुटाए हैं। वहीं, तेलुगु संस्करण से 42.33 लाख रुपये की कमाई हुई है।

क्षेत्रवार अग्रिम बुकिंग के मामले में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सबसे आगे है। यहां फिल्म के 35,085 टिकट बिकने से 2.62 करोड़ रुपये की कमाई हुई है। मुंबई दूसरे स्थान पर है, जहां 27,875 टिकटों की बिक्री से 1.94 करोड़ रुपये जुटाए गए हैं।

'रामायण' का निर्माण नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियो और यश के मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स ने किया है। फिल्म में रणबीर कपूर और यश के साथ साई पल्लवी, सनी देओल, रवि दुबे, रकुल प्रीत सिंह, अरुण गोविल और लारा दत्ता सहित कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता बनी हुई है। अग्रिम टिकट बिक्री के आंकड़े इसकी शुरुआती लोकप्रियता का संकेत दे रहे हैं। अब सभी की निगाहें 5 नवंबर को रिलीज के बाद फिल्म की कमाई और दर्शकों की प्रतिक्रिया पर टिकी हैं।

सेहत

बच्चे को पाउडर लगाने से पहले जान लें ये जरूरी बातें

बच्चों की देखभाल करते समय माता-पिता कई चीजों का ध्यान रखते हैं। इनमें से एक है पाउडर का इस्तेमाल। पाउडर का उपयोग बच्चों की त्वचा को ताजगी देने और पसीने को सोखने में मदद करता है। हालांकि, पाउडर का उपयोग करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि बच्चे की त्वचा को कोई नुकसान न पहुंचे। आइए जानते हैं कि बच्चों के लिए पाउडर का उपयोग करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

पाउडर का चयन करते समय रखें इन बातों का ध्यान

बच्चे के लिए पाउडर खरीदते समय उसकी सामग्री पर ध्यान दें। ऐसे पाउडर चुनें, जिनमें प्राकृतिक तत्व हों और किसी भी तरह के हानिकारक रसायन न हों।

टैल्कम पाउडर से बचें क्योंकि इसमें टैल्क नामक तत्व होता है, जो सांस की समस्या पैदा कर सकता है।

इसके बजाय मक्के के आटे पर आधारित पाउडर का चयन करें, जो सुरक्षित और प्राकृतिक होता है। इसके अलावा खुशबू वाले पाउडर लेने से भी बचें।

बच्चे की त्वचा को ताजगी देने के लिए पाउडर का इस्तेमाल नहाने के बाद करना चाहिए। नहाने से पहले पाउडर न लगाएं क्योंकि इससे त्वचा की स्वाभाविक नमी खत्म हो सकती है।

नहाने के बाद जब त्वचा हल्की गीली होती है, तब पाउडर लगाने से वह अच्छी तरह अवशोषित हो जाता है और त्वचा को सूखा और ताजगी भरा महसूस होता है। इससे पसीना भी आसानी से सोख लिया जाता है।

सही मात्रा में ही लगाएं पाउडर

पाउडर लगाने की मात्रा बहुत जरूरी



है। ज्यादा मात्रा में पाउडर लगाने से बच्चे की त्वचा पर चकत्ते हो सकते हैं या खुजली हो सकती है।

हमेशा जरूरत के हिसाब से ही पाउडर लगाएं। थोड़ी मात्रा में पाउडर लगाना ही काफी होता है ताकि वह अच्छी तरह फैल सके और पूरी तरह से अवशोषित हो जाए। इससे बच्चे की त्वचा सूखी रहती है और पसीना भी आसानी से सोख लिया जाता है।

आंखों और मुंह से दूर रखें

पाउडर लगाते समय ध्यान रखें कि वह बच्चे की आंखों और मुंह से दूर रहे। अगर पाउडर आंखों में चला जाए तो जलन हो सकती है और मुंह में जाने पर असुविधा हो सकती है।

इसके लिए पहले हाथों पर थोड़ी मात्रा में पाउडर लें, फिर उसे धीरे-धीरे बच्चे की पीठ, गर्दन और अन्य हिस्सों पर लगाएं। इस तरह पाउडर सही तरीके से लगेगा और बच्चे की त्वचा भी सुरक्षित रहेगी।

रोज खाएं उबले काले चने... मिलेंगे जबरदस्त फायदे...



काले चने हमारे किचन का वह सुपर इनग्रेडिएंट है, जिसे अगर मु_ी भर रोज उबालकर खा लिया जाए तो हमारा शरीर लोखंड की तरह मजबूत हो जाएगा।

प्रोटीन से भरपूर है काले चने

काले उबले चने प्लांट बेस्ड प्रोटीन का एक अच्छा स्रोत होते हैं, जो मांसपेशियों की मरम्मत करते है और शरीर की ओवरऑल हेल्थ के लिए फायदेमंद होते हैं।

फाइबर में हाई है काले उबले चने

काले उबले चने में भरपूर मात्रा में डाइटरी फाइबर होता है, जो पाचन में सहायता करता है, कब्ज को रोकता है और हेल्दी आंत को बढ़ावा देता है।

विटामिन और खनिजों का अच्छा सोर्स

काले उबले चने में विटामिन (जैसे बी-कॉम्प्लेक्स विटामिन डी), आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे खनिज होते हैं, जो बॉडी को अंदर से मजबूत बनाते हैं।

एनर्जी बूस्ट करें

कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होने के कारण काले उबले चने शरीर को एनर्जी देते हैं और दिनभर काम करने में भी हमें थकावट नहीं होती है।

हार्ट हेल्थ को बढ़ावा दें

काले उबले चने में मौजूद मैग्नीशियम और पोटेशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करके हार्ट हेल्थ को बनाए रखने में मदद करता है।

हड्डियों के स्वास्थ्य में मदद करें

काले उबले चने में पाया जाने वाला कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटेशियम हड्डियों के स्वास्थ्य को बनाए रखने और ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में मदद कर सकता है।

त्वचा और बालों में सुधार करें

काले उबले चने में मौजूद पोषक तत्व कोलेजन प्रोडक्शन और कोशिकाओं की मरम्मत कर त्वचा, बालों और नाखूनों को हेल्दी बनाते हैं।

सर्दियों में गर्म पानी से नहाना हो सकता है नुकसानदायक

अगर आप सर्दियों में गर्म पानी से नहा रहे हैं तो कुछ चीजों का ध्यान रखना काफी जरूरी है। अगर आपने ख्याल नहीं रखा तो सर्दी में गर्म पानी से नहाने का नुकसान ऐसा मिलेगा कि आप सोच भी नहीं पाएंगे।

एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर सर्दी के मौसम में आप ज्यादा देर तक गर्म पानी से नहाते हैं तो सेहत के लिए बिल्कुल अच्छा नहीं रहता है. एक्सपर्ट्स के अनुसार, ज्यादा गर्म पानी से लंबे समय तक नहाने से शरीर और दिमाग दोनों पर बुरा असर पड़ता है.

एक्सपर्ट्स के अनुसार, गर्म पानी में केराटिन स्किन सेल्स को डैमेज करता है, जिस वजह से त्वचा में खुजली, सूखापन और रैशेस की समस्य पैदा हो जाती है. इसलिए सलाह दी जाती है कि हमेशा सर्दियों में हल्के गर्म पानी से ही नहाना चाहिए.

एक्सपर्ट्स की मानें तो अगर सर्दियों में आप तेज गर्म पानी से नहाते हैं तो यह शरीर में सुस्ती का कारण भी बन सकता है. दरअसल, गर्म पानी से नहाकर बॉडी रिलैक्स मोड में आ जाती है और इंसान को नींद आती है. इससे आपकी दिनभर की ऊर्जा पर भी असर देखने को मिल सकता है.

आज सुस्त महसूस कर सकते हैं. वहीं एक्सपर्ट्स के अनुसार, गर्म पानी से नहाने से आपको बालों को भी नुकसान पहुंचता है. तेज गर्म पानी आपके बालों को डैमेज कर सकता है. दरअसल, गर्म पानी से बालों में नमी कम हो जाती है, जिस वजह से वह रूखे और बेजान होने लगते हैं.

ज्यादा कपड़े न पहनें

सर्दियों में शरीर को गर्म रखने के लिए ज्यादा भी कपड़े नहीं पहनने चाहिए. ऐसा करने से आपका शरीर ओवरहीटिंग का शिकार भी हो सकता है. दरअसल, जब इंसान को ठंड लगती है तो उसका इम्यून सिस्टम व्हाइट ब्लड सेल्स बनाता है, जो इंफेक्शन और बीमारियों से बचाव में मददगार है.

ऐसे में बॉडी ओवरहीट होने पर इम्यून अपना काम ठीक से नहीं कर पाता है.

खांसी का इलाज बन सकता है शहद, लेकिन इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

खांसी एक आम समस्या है, जिससे हर कोई कभी न कभी गुजरता है। इसे दूर करने के लिए कई लोग शहद का सेवन करते हैं। शहद में कीटाणुओं को रोकने वाले और शरीर के लिए फायदेमंद गुण होते हैं, जो खांसी को कम करने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, शहद का उपयोग करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। आइए जानते हैं कि खांसी के लिए शहद का इस्तेमाल करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

शहद का चयन कैसे करें?

खांसी के लिए अच्छा शहद चुनना बहुत जरूरी है। बाजार में कई प्रकार के शहद उपलब्ध हैं, लेकिन सभी एक जैसे नहीं होते।

असली और प्राकृतिक शहद ही सबसे ज्यादा असरदार होता है। इसलिए हमेशा भरोसेमंद और प्रमाणित शहद खरीदें।

इसके अलावा बिना किसी प्रक्रिया के तैयार किया गया शहद भी अच्छा विकल्प हो सकता है क्योंकि इसमें सभी पोषक तत्व बने रहते हैं।



सही मात्रा में सेवन करें

शहद की मात्रा का ध्यान रखना भी अहम है। जरूरत से ज्यादा शहद खाने से नुकसान हो सकता है।

आमतौर पर एक चम्मच शहद रोजाना पर्याप्त होता है। इसे खाली पेट या हल्के गुनगुने पानी में मिलाकर लिया जा सकता है। इससे आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलेंगे और खांसी में भी राहत मिलेगी।

इसके अलावा शहद का सीमित सेवन करने से आपको अधिक लाभ होगा और आप स्वस्थ रहेंगे।

बच्चों के लिए विशेष सावधानी बरतें

बच्चों के लिए शहद का सेवन करते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। एक साल से छोटे बच्चों को शहद न दें क्योंकि इसमें कुछ हानिकारक तत्व हो सकते हैं, जो उनके लिए नुकसानदायक हो सकते हैं।

इसके अलावा छोटे बच्चों की खांसी का इलाज करने से पहले हमेशा डॉक्टर से सलाह लें ताकि उनकी सेहत पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

बच्चों की सेहत का ध्यान रखना बहुत जरूरी है, इसलिए उन्हें शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ ही दें।

गर्भवती महिलाओं के लिए क्या है सही?

गर्भवती महिलाओं को भी शहद का सेवन करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। गर्भावस्था के दौरान शरीर में कई बदलाव होते हैं, जिससे महिला की सेहत प्रभावित हो सकती है।

इसलिए गर्भवती महिलाओं को सलाह दी जाती है कि वे अपने डॉक्टर या पोषण विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही किसी भी प्रकार का आहार परिवर्तन करें।

इसके अलावा वे अपनी डाइट में शहद शामिल करने से पहले उसकी मात्रा और गुणवत्ता पर ध्यान दें।

डॉक्टर की सलाह लें

अगर आपकी खांसी लंबे समय तक ठीक नहीं होती या बहुत ज्यादा परेशान कर रही हो, तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। शहद एक प्राकृतिक उपाय हो सकता है, लेकिन यह हर स्थिति में कारगर नहीं होता।

डॉक्टर आपकी समस्या का सही निदान कर सकते हैं और उचित इलाज बता सकते हैं। इस प्रकार इन बातों का ध्यान रखकर आप सुरक्षित तरीके से शहद का उपयोग करके अपनी खांसी को कम कर सकते हैं।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर 31 अक्टूबर को चंगोराभाठा में

रायपुर। आशा देवी रेखचंद लुनिया ट्रस्ट के तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 31 अक्टूबर 2026, शुक्रवार को प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक शांति निकेतन पब्लिक स्कूल, चंगोराभाठा, रायपुर में किया जा रहा है।

शिविर में उपलब्ध सेवाएं: सामान्य स्वास्थ्य जांचनेत्र जांचआयुर्वेदिक परामर्श / नाड़ी परीक्षण।

आयोजक: आशा देवी रेखचंद लुनिया ट्रस्ट, रायपुर

सहयोगी टीम: एसएस क्रिएशन, बिट बाइट इन्फोटेक, अजीम एजुकेशन वेलफेयर सोसायटी, रायपुर

मेडिकल सहयोगी टीम: आईएलएस हॉस्पिटल, रायपुर

कान्हा आयुर्वेदिक केयर - डॉ. रुचा साहू, आयुर्वेदिक चिकित्सक, रायपुर

पंजीयन हेतु संपर्क करें - मोबाइलः 9630311118, 6332745785।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक 30 को

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन समिति की बैठक 30 अक्टूबर, शुक्रवार को सवेरे 10 बजे से कलेक्टोरेट के मंथन सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की जाएगी। पूर्ण एवं हस्तांतरित 'हर घर जल' योजनाओं के भुगतान तथा चलित देयकों के भुगतान की स्वीकृति संबंधी प्रकरण रखे जाएंगे। इसके साथ ही अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा होगी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने समिति के सभी सदस्य अधिकारियों से निर्धारित समय एवं स्थान पर बैठक में उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

सहकारी समितियों के परिसमापन हेतु दावा आपत्ति

बिलासपुर। कार्यालय उप पंजीयक, सहकारी संस्थाएं बिलासपुर द्वारा जिले की सहकारी समितियों के परिसमापन हेतु 60 दिवस के भीतर समिति के दावेदार एवं लेनदारों से दावा आपत्ति मंगाये गये है। समितियों के लिए नियुक्त परिसमापकों ने बताया कि बिलासपुर के जय हनुमान प्राथमिक सह. उप. भण्डार मर्या. लोकोकालोनी, कृषि एवं पशुपालन बहु. सहकारी समिति मर्या., ज्योति प्राथमिक सह. उप. भण्डार मर्या. कुदुदण्ड, आदर्श प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार मर्या. इमलीपारा, जय भवानी प्राथमिक उपभोक्ता भंडार सहकारी समिति मर्या. रामदासनगर, आदर्श प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार मर्या. लाला लाजपतराय नगर, विकास प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार मर्या. नेहरू नगर एवं एसईसीएल प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार मर्या. इंदिरा के परिसमाापन की कार्यवाही की जा रही है। इन समितियों के दावेदार एवं लेनदार अपने दावेमय लिखित प्रमाण 60 दिन के भीतर कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करें। इस अवधि के पश्चात प्राप्त होने वाले दावे मान्य नही होंगे। यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संस्थाओं का रिकार्ड या संपत्ति आदि हो तो तत्काल परिसमापक सौंपने की अपील की गई है अन्यथा दण्डात्मक कार्यवाही के भागीदार होंगे।

बालोद पुलिस और एएनटीएफ की बड़ी कार्रवाई : एसपी किरण चव्हाण के नेतृत्व में ताबड़तोड़ एक्शन जारी

लग्जरी कार से हेरोइन और अवैध पिस्टल के साथ शातिर तस्कर गिरफ्तार

- फिरोज अहमद खान



बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाले अपराधियों और अवैध कारोबारियों पर पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। जिला पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की संयुक्त टीम ने नशे और अवैध हथियारों के खिलाफ एक और बड़ी सफलता हासिल की है। नए बस स्टैंड के पीछे खड़ी एक लग्जरी टाटा हेक्सा कार से प्रतिबंधित मादक पदार्थ हेरोइन (चिट्टा) और एक अवैध देशी पिस्टल (विदेशी माउजर स्टाइल) बरामद करते हुए पुलिस ने एक शातिर आरोपी को धर दबोचा है। इस बड़ी कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मच गया है।

जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ चल रहे इस ताबड़तोड़ अभियान की सबसे खास बात यह है कि यह पूरा ऑपरेशन पुलिस अधीक्षक (SP) बालोद, किरण गंगाराम चव्हाण (भा.पु.से.) के बेहद कड़े और दूरदर्शी निर्देशन में अंजाम दिया जा रहा है। एसपी किरण चव्हाण के कार्यभार संभालने के बाद से ही बालोद पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया हुआ है। उनके कुशल मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चन्द्रकांत गवर्ना तथा एसडीओपी बालोद विनय साहू की सक्रिय निगरानी में जिले में मादक पदार्थों और अवैध हथियारों के तस्करों पर लगातार ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है। एसपी चव्हाण की सख्त कार्यशैली और स्पष्ट रणनीतियों का ही परिणाम है कि एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) पल-पल की सूचना पर तत्परता से एक्शन ले रही है और अपराधियों के मंसूबों पर पानी फेर रही है। जनता के बीच भी एसपी किरण चव्हाण के इस निष्पक्ष और कठोर रवैये की जमकर सराहना हो रही है।

घटनाक्रम के अनुसार, 28 अक्टूबर 2026 की रात्रि को पुलिस को एक पुख्ता मुखबिर से सूचना मिली थी कि बालोद शहर के नए बस स्टैंड के पीछे सफेद रंग की एक टाटा हेक्सा कार (क्रमांक सीजी 17 केएम 4455) संदिग्ध अवस्था में खड़ी है। सूचना में यह भी बताया गया कि वाहन के भीतर चालक की सीट पर बैठा व्यक्ति अपने पास भारी मात्रा में हेरोइन (चिट्टा) और अवैध देशी पिस्टल रखे हुए है। मामले की गंभीरता को भांपते हुए तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। इसके बाद पुलिस टीम ने बिना एक पल गंवाए सभी आवश्यक विवेचना सामग्री और गवाहों को साथ लेकर मौके पर दबिश दी और घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन को घेर लिया।

तलाशी के दौरान वाहन के अंदर चालक की सीट पर एक युवक संदिग्ध हालत में बैठा हुआ मिला। पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर उसने अपना नाम लीनेश बंसोड़ उर्फ बाडू (पिता सुनील बंसोड़, उम्र 25 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 21, रेलवे कॉलोनी, राजहरा, थाना दल्ली राजहरा, जिला बालोद) बताया। जब पुलिस ने वाहन के डैशबोर्ड की तलाशी ली, तो उसके अंदर से एक पारदर्शी झिल्ली में रखा हुआ अवैध मादक पदार्थ हेरोइन (चिट्टा) और एक देशी पिस्टल बरामद हुई। आरोपी से जब इस हथियार के वैध दस्तावेजों की मांग की गई, तो वह कोई भी कागजात पेश करने में असमर्थ रहा।पुलिस ने नियमानुसार पूरी जब्ती की कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ और हथियार को अपने कब्जे में लिया। इस पूरी कार्रवाई के दौरान जप्त की गई सामग्रियों का कुल विवरण नीचे दिया गया है जिनमें प्रतिबंधित नशीली सामग्री हेरोइन (चिट्टा) वजन लगभग 6.40 ग्राम, अनुमानित कीमत ₹1,28,000 रुपए। विदेशी माउजर स्टाइल देशी पिस्टल अनुमानित कीमत ₹50,000 रूपए। एंड्रॉयड मोबाइल फोन आई क्यू कंपनी, अनुमानित कीमत ₹5,000 रुपए।

टाटा हेक्सा कारः (पंजीयन क्रमांक सीजी 17 केएम 4455), अनुमानित कीमत ₹10,00,000 रुपए। इस प्रकार, कुल ₹11,83,000 (ग्यारह लाख तिरासी हजार रुपये) कीमती सामग्री जब्त की गई है। आरोपी के खिलाफ थाना बालोद में एनडीपीएस एक्ट की धारा 22(ख) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है।

इस बेहतरीन और सफल ऑपरेशन को अंजाम देने में थाना प्रभारी निरीक्षक शिशुपाल सिन्हा, आरक्षक बनवाली साहू, आरक्षक चुलेन्द्र कुर्रे, आरक्षक भूपेश साहू, आरक्षक संजय सोनी तथा एएनटीएफ की पूरी टीम की सराहनीय भूमिका रही है। बालोद पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे नशे के कारोबार और अवैध हथियारों के खिलाफ पुलिस के इस अभियान में खुलकर सहयोग करें, ताकि समाज को पूरी तरह सुरक्षित और नशामुक्त बनाया जा सके।

पटाखा दुकानों में सुरक्षा से समझौता नहीं शर्तों के उल्लंघन पर निरस्त होगा लाइसेंस

जिला अग्निशमन अधिकारी ने जारी किए दिशा-निर्देश नियमित निरीक्षण कर परखी जाएंगी सुरक्षा व्यवस्थाएं



बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। दीपावली पर्व के मद्देनजर पटाखा दुकानों में अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम और नागरिकों की सुरक्षा के लिए कमांडेंट होम गार्ड्स एवं जिला अग्निशमन अधिकारी श्री दीपांकुर नाथ ने सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिले के सभी पटाखा दुकान संचालकों को इनका अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। श्री नाथ ने कहा कि दुकानों का नियमित निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच की जाएगी। निर्धारित शर्तों का पालन नहीं करने पर संबंधित दुकान का लाइसेंस निरस्त कर कार्रवाई की जाएगी।

जारी निर्देशों के अनुसार पटाखा दुकानें रिहायशी क्षेत्रों अथवा बाजार के पास नहीं खोली जाएंगी। दुकानों का निर्माण कपड़ा, बांस, रस्सी और टेंट जैसी ज्वलनशील सामग्री से करने के बजाय अज्वलनशील टिन शेड से किया जाए तथा अग्निमंदक घोल से उपचारित किया जाए। दुकानों के बीच कम से कम तीन मीटर की दूरी रखी जाए और दुकानें एक-दूसरे के आमने-सामने नहीं बनाई जाएं। किसी भी पटाखा दुकान के 50 मीटर के दायरे में आतिशबाजी का प्रदर्शन प्रतिबंधित रहेगा।

प्रत्येक दुकान में पांच किलोग्राम क्षमता का डीसीपी अग्निशामक यंत्र रखना अनिवार्य है। इसके साथ ही दुकान के अंदर और बाहर अलग-अलग 100-100 लीटर पानी उपलब्ध रखा जाए। अग्निशमन वाहन की आवाजाही के लिए कम से कम छह मीटर चौड़ा रास्ता खुला रखा जाए। दुकानों के सामने बाइक और कार की पार्किंग प्रतिबंधित रहेगी, ताकि आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य में बाधा न आए।

दुकानों में रोशनी के लिए तेल अथवा गैस के लैम्प और खुली बिजली बत्ती का उपयोग नहीं किया जाए। विद्युत तारों के जोड़ खुले नहीं होने चाहिए। प्रत्येक मास्टर स्विच में फ्यूज अथवा सर्किट ब्रेकर लगाया जाए, जिससे शॉर्ट सर्किट होने पर विद्युत प्रवाह स्वतः बंद हो सके। दुकानें ट्रांसफार्मर के पास नहीं हों और उनके ऊपर से हाईटेंशन विद्युत लाइन नहीं गुजरनी चाहिए।

ओ.पी. चौधरी ने नवा रायपुर में राज्योत्सव 2026 की तैयारियों का किया निरीक्षण

रायपुर ■ दैनन्दिनी



छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने आज नवा रायपुर में राज्योत्सव 2026 के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के प्रस्तावित आगमन को लेकर चल रही तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने नवा रायपुर स्थित सत्य साईं हॉस्पिटल, विकसित भारत संकल्प पार्क (पीपल वन) तथा तूता गांव क्षेत्र का दौरा कर कार्यक्रम की तैयारियों और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आयोजन को भव्य, सुव्यवस्थित, सुगम एवं सुरक्षित बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गौरवशाली परंपराओं और विकास यात्रा को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। इस आयोजन में केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का प्रस्तावित आगमन विशेष महत्व रखता है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्यक्रम से जुड़ी सभी तैयारियां आपसी समन्वय के साथ समय-सीमा में पूरी की जाएं, ताकि आयोजन में शामिल होने वाले अतिथियों और आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

आयोजन स्थलों पर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने नवा रायपुर के विभिन्न कार्यक्रम स्थलों पर चल रही तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने आयोजन स्थलों की साफ-सफाई, आवागमन, पार्किंग, सुरक्षा तथा आगंतुकों की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्यक्रम स्थलों पर नागरिकों के सुगम आवागमन और आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाकर सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाए।

राज्योत्सव की गरिमा के अनुरूप हों सभी तैयारियां

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि राज्योत्सव प्रदेशवासियों के लिए गौरव और उत्साह का अवसर है। ऐसे में आयोजन की प्रत्येक व्यवस्था सुव्यवस्थित और गरिमापूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि तैयारियों की नियमित निगरानी की जाए और किसी भी स्तर पर कमी पाए जाने पर उसका तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

श्री चौधरी ने कहा कि राज्योत्सव के दौरान प्रदेश की संस्कृति, परंपराओं और विकास की उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के साथ आगंतुकों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को समन्वित प्रयासों के माध्यम से आयोजन की तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान नवा रायपुर विकास प्राधिकरण के सीईओ श्री चंदन कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कवर्धा में तेंदुए की तलाश में जुटा वन विभाग, अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

दो सप्ताह से वन विभाग कर रहा निगरानी, ड्रोन से सर्चिंग, वन्यजीव विशेषज्ञों की तैनाती और पिंजरे लगाए गए

- विकाश शुक्ला



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कवर्धा नगर एवं आसपास के वनक्षेत्रों में तेंदुए की मौजूदगी को लेकर पिछले करीब दो सप्ताह से मिल रही सूचनाओं के बीच वन विभाग ने निगरानी और गश्त तेज कर दी है। तेंदुए का पता लगाने तथा उसे सुरक्षित पकड़ने के लिए विशेष गश्ती दल तैनात किए गए हैं। ड्रोन की मदद से दिन और रात में निगरानी की जा रही है। वहीं, कानन पेंडारी बिलासपुर और जंगल सफारी रायपुर से वन्यजीव विशेषज्ञों को बुलाकर संभावित क्षेत्रों में पिंजरे भी लगाए गए हैं। दूसरी ओर, तेंदुए के नाम पर भ्रामक सूचनाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से तैयार फोटो-वीडियो प्रसारित करने वालों के विरुद्ध वन विभाग ने वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी दी है।

वन विभाग के अनुसार, पिछले दो सप्ताह से कवर्धा एवं भोरमदेव अभयारण्य के परिक्षेत्र अधिकारियों के नेतृत्व में गठित गश्ती दल लगातार संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी कर रहा है। यह दल प्रतिदिन सुबह 4 बजे से 8 बजे तक और शाम 6 बजे से रात 2 बजे तक गश्त करता है। शिक्षक कॉलोनी, राजमहल, समनापुर रोड, खूंटू रोड, साधना नगर, लकड़ी टाल, मठ पारा, नवीन बाजार तथा 17वीं बटालियन परिसर में विशेष रूप से निगरानी रखी जा रही है।

ड्रोन से निगरानी, विशेषज्ञों की मदद से रेस्क्यू की तैयारी

तेंदुए की तलाश के लिए सुबह सामान्य ड्रोन और रात में थर्मल ड्रोन का उपयोग किया जा रहा है। इसके साथ ही बिलासपुर के कानन पेंडारी और रायपुर की जंगल सफारी से वन्यजीव विशेषज्ञों को बुलाया गया है। विशेषज्ञों की देखरेख में लकड़ी टाल, मठ पारा, नवीन बाजार और 17वीं बटालियन परिसर में पिंजरे लगाए गए हैं। पिंजरों में बकरी रखकर तेंदुए को सुरक्षित पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है। वन विभाग की टीम संभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाए हुए है।

वन विभाग के संज्ञान में आया है कि कुछ लोगों द्वारा व्हाट्सएप ग्रुपों, सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से तेंदुआ दिखाई देने संबंधी असत्य एवं अपुष्ट सूचनाएं प्रसारित की जा रही हैं।

इसके अलावा एआई की सहायता से तैयार भ्रामक फोटो और वीडियो भी साझा किए जा रहे हैं। इससे आम नागरिकों में भय और दहशत का वातावरण बन रहा है। साथ ही, वन विभाग के कर्मचारियों और विशेषज्ञों के रेस्क्यू कार्य में भी बाधा उत्पन्न हो रही है।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिना पुष्टि के किसी भी फोटो, वीडियो या संदेश को साझा अथवा फॉरवर्ड न करें। तेंदुआ दिखाई देने की सूचना केवल वन विभाग के अधिकृत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दें। भ्रामक सामग्री तैयार करने और प्रसारित करने वालों के विरुद्ध प्रचलित कानूनों के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

भारतीय न्याय संहिता सहित विभिन्न कानूनों के तहत होगी कार्रवाई

वन विभाग के अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 353 के तहत लोक रिष्टिकारक कथन एवं अफवाहों से संबंधित प्रावधानों, धारा 336 के तहत कूटरचना तथा धारा 221 एवं 223 के तहत लोक सेवक के कार्य में बाधा और विधिपूर्वक जारी आदेशों की अवहेलना से संबंधित प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा सकती है। इसके अतिरिक्त सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 तथा लागू वन्यजीव संरक्षण कानूनों के प्रावधानों के तहत भी कार्रवाई की जाएगी।

ऐसे मामलों में साइबर सेल और पुलिस विभाग के सहयोग से जांच कर आवश्यक साक्ष्यों के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कराने सहित वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बाढ़ आपदा से निपटने तैयार हो रही जल मित्रों की टीम, 57 लोगों को विशेष प्रशिक्षण



बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान जनहानि रोकने और त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय स्तर पर जल मित्रों की टीम तैयार की जा रही है।

इसके लिए जिले के विभिन्न अनुभागों एवं तहसीलों से चयनित 57 कोटवारों, मछुआरों, गोताखोरों और कुशल तैराकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य आपदा की स्थिति में स्थानीय स्तर पर ही प्रशिक्षित लोगों की मदद से तत्काल बचाव कार्य शुरू करना और जरूरतमंदों तक समय पर सहायता पहुंचाना है।

अग्निशमन, आपातकालीन सेवाएं एवं एसडीआरएफ प्रशिक्षण केंद्र, परसदा में 26 से 30 अक्टूबर तक आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को बाढ़ से बचाव की विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इस दौरान मोटर बोट (ओबीएम) के संचालन, पानी में डूबते लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने, तैराकी की विभिन्न तकनीकों तथा लाइफ जैकेट और लाइफ ब्वॉय के सही उपयोग की जानकारी दी जा रही है। साथ ही राहत एवं बचाव कार्य में उपयोग होने वाले उपकरणों और सामग्रियों से भी प्रशिक्षणार्थियों को परिचित कराया जा रहा है।

प्रशिक्षण के माध्यम से जिले में ऐसे जल मित्रों की टीम विकसित की जा रही है, जो बाढ़ एवं जलभराव जैसी आपात परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई कर लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके। स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित बचाव दल की उपलब्धता से आपदा प्रबंधन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

प्रशिक्षणार्थी भी पूरे उत्साह के साथ बचाव की तकनीकें सीख रहे हैं।

:- संपादकीय :-

इससे हासिल क्या होगा?

श्रम सर्वे अगर गिग कर्मियों और घरेलू काम में लगी महिलाओं की केवल गिनती करता है, जबकि उन्हें सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराने का कानूनी ढांचा तैयार नहीं होता, तो इस डेटा संग्रह का लाभ संदिग्ध ही रहेगा।नरेंद्र मोदी सरकार ने रोजगार की समझ बदलने की औपचारिक पहल कर दी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय जनवरी 2027 से अपने आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) में यह बदलाव लागू करेगा। इसके तहत गिग और प्लेटफॉर्म को कर्मियों तथा घरेलू काम में अवैतनिक योगदान करने वाली महिलाओं को रोजगारशुदा गिना जाएगा। इस परिवर्तन के पक्ष में तर्क है कि जोमैटो, स्विगी, ओला, अर्बन कंपनी आदि जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर लाखों लोग काम कर रहे हैं। नए सर्वे से उनकी संख्या मालूम होगी। पता चलेगा कि वे कितने घंटे काम करते हैं। इसी तरह कारोबार में महिलाओं के योगदान को भी मान्यता मिलेगी। इसका एक और परिणाम होगा कि पीएलएफएस के आंकड़ों में श्रम बल में मौजूद लोगों और रोजगारशुदा लोगों की संख्या बढ़ी हुई दिखेगी।'विकास का कथानक लिखने के लिहाज से ये आंकड़े काम के साबित होंगे! लेकिन बड़ा सवाल है कि क्या उन आंकड़ों से संबंधित कर्मियों के हालात बदलेंगे? गिग वर्कर्स को प्लैटफॉर्म कंपनियां 'कर्मचारीइ नहीं, बल्कि 'स्वतंत्र ठेकदारइ मानती हैं। इसलिए उन्हें ना न्यूनतम वेतन की गारंटी मिलती है, ना स्वास्थ्य बीमा, और ना ही पेंशन। सरकार के सोशल सिक्योरिटी कोडके तहत अपेक्षित सुविधाएं शायद ही कहीं धरातल पर अमल में आई हैं। ऐसे में सर्वे अगर केवल उनकी गिनती करता है और उन्हें सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराने का कानूनी ढांचा तैयार नहीं होता, तो इस डेटा संग्रह का लाभ संदिग्ध ही रहेगा। महिलाएं रोज अपने कई घंटे बच्चों-बुजुर्गों की देखभाल, और घरेलू कार्यों में बिना किसी वित्तीय मुआवजे के लगाती हैं।बहरहाल, नए सर्वे में उनके अवैतनिक श्रम को दर्ज करने का प्रतीकात्मक महत्त्व चाहे जो हो, उससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुधरने की कोई संभावना नहीं बनेगी। जब तक बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल का मजबूत सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर (जैसे क्रेच और केयर सेंटर्स) तैयार नहीं होता, अवैतनिक कार्य का बोझ महिलाओं के कंधों से नहीं हट पाएगा। इसलिए असल चुनौती आंकड़े इक्ा करने की नहीं, बल्कि श्रम कानूनों में गिग कर्मियों के अनुकूल संशोधन और महिलाओं को आर्थिक संबल देने की योजनाओं को लागू करने की है। इस मामले में सरकार चुप है!

जनता अब खुद सवाल तय कर रही है!

श्रुति व्यास



लेकिन यहाँ भी फर्क देखिए। फारूक अब्दुल्ला पाकिस्तान को चर्चा में वापस ला रहे थे। और जिन कश्मीरियों से मेरी बात हो रही थी, वे भारत की अंदरूनी राजनीति में ज्यादा दिलचस्पी ले रहे थे। उन्हें दिल्ली की सत्ता के भीतर और उसके सामने बनती चुनौतियाँ जाननी थीं।इसी बीच सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश संजय किशन कौल की आने वाली आत्मकथा 'विदाउट फियर ऑर फेवरइ की चर्चा है। न्यायिक मतभेदों की यादें। संस्थाओं के भीतर काम करने के अनुभव। सत्ता और अधिकार के उन गलियारों का विवरण जिन्हें बाहर बैठा नागरिक पूरी तरह देख नहीं पाता। न्यायाधीशों से कहा जाता है कि उनके फैसले बोलने चाहिए। वे अपने संस्मरणों में बोलें तो लोग यह भी जानना चाहेंगे कि फैसलों के पीछे का अनुभव क्या था।ऊपर से देखें तो इन बातों का आपस में संबंध नहीं है। एक अरबपति की कथित टिप्पणी। एक राजनीतिक परिवार की कहानी। एक पुराने नेता का विवाद। एक पूर्व न्यायाधीश की यादें। लेकिन मुझे इनमें एक बात साझा लगी। इन्हें चर्चा का विषय बनने के लिए भाजपा और कांग्रेस की बहुत कम जरूरत पड़ रही है। लोगों की अपनी उत्सुकता है। वे जानना चाहते हैं कि जो बताया जा रहा है, उसके पीछे क्या है? ताकत वास्तव में कहाँ है?

सवाल है कोई पार्टी यदि सत्ता में बैठकर भी विपक्ष की तरह लड़ती रहे और विपक्ष में पहुँचकर भी कोई पार्टी खुद को सत्ताधारी समझती रहे तो लोकतंत्र का क्या होगा? पिछले बारह वर्षों की भारतीय राजनीति का यह अजीब किस्सा है। भाजपा सरकार चलाते हुए भी कांग्रेस से ऐसे लड़ती रही मानो देश अभी उसी के कब्जे में हो। कांग्रेस विपक्ष में बैठी रही, लेकिन इस भाव से उबर नहीं पाई कि सत्ता तो उसी की है, बस किसी ने छीन ली है। एक उस सरकार से लड़ती रही जो जा चुकी थी। दूसरी यह मानने को तैयार नहीं हुई कि उसकी सरकार जा चुकी है।

सो बार-बार चुनाव हुए। पूरी ताकत से हुए। टेलीविजन पर घमासान लगातार रहा। आरोप लगे, जवाब आए। लेकिन देश की राजनीतिक बहस कितनी आगे बढ़ी? सरकार के पास अपनी कमियों के लिए कांग्रेस थी। कांग्रेस के पास अपनी दुर्दशा के लिए भाजपा। दोनों को एक-दूसरे की जरूरत थी। दोनों इस इंतजाम में सहज भी हो गए।मैं हाल में कश्मीर और लद्दाख की यात्रा में बार-बार यही बात सोचती हुई थी। दिल्ली से दूर थी। उसके रोज के राजनीतिक शोर से भी। सोचा था, कुछ दिन उससे छुट्टी मिलेगी। लेकिन वहाँ लोगों की बातचीत में राजनीति को लेकर ऐसी उत्सुकता मिली जो दिल्ली में लंबे समय से महसूस नहीं हुई थी। लोग सवाल पूछ रहे थे। केवल नाराजगी में नहीं। जानने की इच्छा से। इस संभावना के उत्साह में कि आगे कुछ बदल भी सकता है।

और चर्चा कश्मीर की नहीं, दिल्ली की थी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का क्या होगा? सीजेपी में कितना दम है? उसका आंदोलन क्या सचमुच सत्ता प्रतिष्ठान को परेशान कर सकता है? जेन जी का विरोध कुछ दिनों का उबाल है या नौजवानों के भीतर कुछ ज्यादा गहरा पक रहा है? और इन सबके बीच घूमता वह सवाल–क्या भाजपा वाकई उतनी अजेय है जितनी दिखाई देती है?सवालों से अधिक मुझे उन्हें पूछने की सहजता ने चौंकाया। ऐसा नहीं कि सब भाजपा के खिलाफ थे। या सबकी उम्मीद कांग्रेस से थी। किसी को शक था, किसी को उम्मीद। कुछ को शायद इसी संभावना में मजा आ रहा था कि राजनीति का अगला पन्ना अभी लिखा नहीं गया है।आखिर लंबे समय बाद बातचीत में कुछ ऐसा था जिसका जवाब पहले से तय नहीं था।वर्षों से दिल्ली कश्मीर की चर्चा करती आई है। कश्मीर एक समस्या है। उसे समझना है, संभालना है, उसका समाधान करना है। और अब कश्मीर में बैठी मैं सुन रही थी कि लोग दिल्ली को समझने की कोशिश कर रहे हैं। वहाँ क्या चल रहा है? आगे क्या होगा? किसकी कितनी ताकत है? मानो इस बार पहेली दिल्ली हो गई हो।इसे भारतीयों का राजनीतिक गपशप का पुराना शौक मान सकते हैं। लेकिन क्या बात इतनी ही है? कहीं ऐसा तो नहीं कि हम राजनीति के तयशुदा नतीजों के इतने आदी हो गए हैं कि अनिश्चितता की थोड़ी-सी गुंजाइश भी उत्साह पैदा करने लगी है? जब रोज बताया जाए कि कौन जीतेगा, कौन हार चुका है और किसका कोई भविष्य नहीं है, तब इस धारणा में छोटी-सी दरार भी देखने लायक हो जाती है।

फिर चर्चा के लिए सामग्री भी खूब है।

एलन मस्क के हवाले से एक सवाल चला कि क्या भारत के असली बॉस मुकेश अंबानी हैं? न कोई प्रमाण, न इससे कोई निष्कर्ष निकाला जा सकता है। लेकिन ऐसे सवाल का चल पड?ा और उसमें लोगों की दिलचस्पी भी कुछ बताती है। लोग पैसे और सत्ता के रिश्ते पर बात करना चाहते हैं। किसकी कहाँ तक पहुँच है? सरकार के फैसलों में किसका कितना असर है? सार्वजनिक सत्ता और निजी संपत्ति के बीच की दूरी आखिर बची कितनी है?फिर सोनिया गांधी की आने वाली आत्मकथा 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लवइ की चर्चा है। सोचें, एक व्यक्ति का जीवन कितने वर्षों तक भाजपा की राजनीति की सामग्री बना रहा। इटली में जन्मी महिला। भारत के सबसे ताकतवर राजनीतिक परिवार में विवाह। फिर कांग्रेस की अध्यक्षता। प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करना। बावजूद इसके पार्टी और सरकार में प्रभाव बनाए रखना। उनके विदेशी मूल पर कितने चुनाव लड़े गए, कितने भाषण हुए!अब वे अपनी कहानी खुद सुनाने वाली हैं।मेरी उत्सुकता केवल यह नहीं है कि वे क्या बताएँगी। यह भी है कि देश फिर उसी पुरानी बहस में लौटेगा या उनके जीवन को कुछ अलग ढंग से पढ़ पाएगा? कांग्रेस अपने अतीत से बाहर नहीं निकल पाई। भाजपा ने भी उसे बाहर निकलने देने में दिलचस्पी नहीं दिखाई। गांधी परिवार कांग्रेस के लिए विरासत रहा तो भाजपा के लिए निशाना। दोनों के लिए अतीत काम का रहा।उधर फारूक अब्दुल्ला हैं। उन्होंने फिर कुछ ऐसा कह दिया जिससे दिल्ली में नाराजगी का परिचित दौर शुरू हो जाए। बारामूला में पाकिस्तान पर उनकी टिप्पणी आई और अपेक्षित प्रतिक्रियाएँ भी आ गईं। मैं सोच रही थी, क्या उमर अब्दुल्ला की सरकार के दौरान अपेक्षाकृत शांति से पुराने योद्धा ऊबने लगे हैं? या दिल्ली को याद दिलाना चाहते हैं कि वे अभी हैं। केवल सम्मानित बुजुर्ग बनकर बैठ जाने का उनका इरादा नहीं है।

राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको घर के बड़ों से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वह सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा। रिश्तेदार आज आपको बिजनेस को बढ़ाने के लिए सुझाव देंगे। आज आपको वाहन चलाते समय खास सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

वृष राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। आप किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से पार्टनरशिप करने पर विचार करेंगे। कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों का समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा, आपकी क्रिएटिविटी की लोग सराहना करेंगे। दाम्पत्य जीवन में मधुरता आएगी। आज का दिन व्यापार के लिए फायदेमंद रहेगा।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं, लेकिन पढ़ाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जूनियर आपसे काम सीखना चाहेंगे।

कर्क राशिः आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतें। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपना काम पूरा करने के लिए थोड़ा अधिक मेहनत करने की जरूरत है। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके स्वभाव में संयम और धीरज बना रहेगा, जिसके कारण आप अपनी सभी समस्याओं का हल आसानी से ढूंढ लेंगे।

सिंह राशिः आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के केमिस्ट शॉप वाले लोगों को अच्छा मुनाफा होगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनाएंगे। महिलाएं आज रसोईघर में व्यस्त रहेंगी। दाम्पत्य जीवन में खुशियाँ बरकरार रहेंगी। आज अपनी सोच को सकारात्मक रखें।

कन्या राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपको सरकारी कामों में कुछ लोगों से राय मिलेगी, जिससे आपका काम आसान हो जाएगा। आज आपका पुराना दोस्त आपको फोन करके आपको सरप्राइज देगा। आपकी किसी जरूरी बात पर घर वाले सहमति जताएंगे। तरक्की आज आपके कदम चूमेगी। आपको अपना कारोबार बढ़ाने के लिए आज कई मौके मिलेंगे। आज आप जिस भी व्यक्ति से मिलेंगे, वह आपसे प्रभावित होगा। बिजनेस में परिवार से सहयोग मिलेगा।

तुला राशिः आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। आज आप अपने बिजी दिन में कुछ समय अपने लिए निकालेंगे, उस समय में अपने पसंदीदा कार्य करेंगे। आज किसी से भी उलझने से आपको बचना चाहिए। बच्चों को आज पढ़ाई में मन लगाने की जरूरत है।

वृश्चिक राशिः आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुए हैं। आज आप अपने घरेलू कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। मार्केटिंग की जॉब कर रहे लोगों से आज नया क्लाइंट जुड़ेगा, जो भविष्य में अच्छा धन लाभ कराएगा। नए प्रोजेक्ट को पूरा करने में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

धनु राशिः आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। आज व्यापार में किसी ऐसी कंपनी के साथ डील फाइनल होगी, जो आपको उम्मीद से अधिक फायदा कराएगी। वकीलों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। दाम्पत्य जीवन में खुशहाली आएगी, जीवनसाथी के साथ आज मूवी देखने का मन बनाएंगे। ।

मकर राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज बिना सोचे-समझे किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। इस राशि के छात्रों को आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

कुंभ राशिः आज आपकी हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जाएगा। ऑफिस में आप किसी प्रोजेक्ट के लिए अपनी बेहतरीन राय देंगे, बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे, आपका लेखन और अच्छा होगा।

मीन राशिःआज आपका दिन बढि?या रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नई बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

सू- दोकू क्र.201

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.200 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

नजरिया | पंकज शर्मा

विदा हो रहे हैं पांच प्रदेशों के मौजूदा नरेश



आंकड़ों का अंकगणित कुछ भी हो, बीजगणित खुल कर संकेत दे रहा है कि इन सभी प्रदेशों की मौजूदा हुकूमतों के लिए अगले चुनावों में अपनी वापसी दर्ज कराना मुश्किल है। ज 2022 के विधानसभा चुनावों और 2024 के लोकसभा चुनाव नतीजों के मद्देनज? अंकों के पीछे छिपे उस बीजमंत्र को समझिए, जिस की वजह से पांचों प्रदेशों में 2027 की शुरूआत वहां के वर्तमान शासकों के लिए मुसीबतों की गठरी और विपक्ष के लिए सौगातों का संदूक ले कर आ रही है।अगले साल फरवरी-मार्च में पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में विधानसभा के चुनाव होंगे। इन में से पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है और बाकी चारों में भारतीय जनता पार्टी की। आंकड़ों का अंकगणित कुछ भी हो, बीजगणित खुल कर संकेत दे रहा है कि इन सभी प्रदेशों की मौजूदा हुकूमतों के लिए अगले चुनावों में अपनी वापसी दर्ज कराना मुश्किल है। उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में भाजपा की सरकारें दोबारा नहीं बनेंगी। उत्तर प्रदेश में उसे सरकार बनाने लायक स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं होगा। पंजाब में 'आप की सरकार का लौटना भी मुमकिन नहीं लगता है।2022 के विधानसभा चुनावों और 2024 के लोकसभा चुनाव नतीजों के मद्देनजर अंकों के पीछे छिपे उस बीजमंत्र को समझिए, जिस की वजह से पांचों प्रदेशों में 2027 की शुरूआत वहां के वर्तमान शासकों के लिए मुसीबतों की गठरी और विपक्ष के लिए सौगातों का संदूक ले कर आ रही है।सब से पहले उत्तर प्रदेष। वहां 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 403 में से 255 सीटें जीती थी। मगर इस जीत के गलीचे के नीचे छिपे इस अपशिष्ट पर ज़रा नजर डालिए कि जीती गई सीटों में से 23 पर भाजपा पांच हजार से कम वोट से, 3 सीटें वह तीन हजार से कम वोट के अंतर से, 11 सीटें दो हजार से कम वोट से, 11 ही सीटें एक हजार से कम वोट से और 7 सीटें पांच सौ से भी कम वोट के अंतर से जीती थी। यानी 55 सीटें ऐसी हैं, जो अगले चुनाव में ढाई सौ से ढाई हजार वोट इधर-उधर होते ही भाजपा की झोली से नीचे गिर सकती हैं। स्पष्ट बहुमत 202 सीटों का है। 255 में से 55 खिसक गईं तो योगी आदित्यनाथ को सरकार बनाने लायक बहुमत अकेले भाजपा के भरोसे तो मिलेगा नहीं।समाजवादी पार्टी और कांग्रेस इस बार पहले से बहुत ज्यादा अच्छी स्थिति में हैं। इसे समझने के लिए इन तथ्यों पर ध्यान दीजिए। पिछले चुनाव में सपा ने 111 सीटें जीती थीं। 38 और सीटें ऐसी थीं, जो वह बहुत कम वोट के अंतर से हारी थी। 13 सीटों पर उस की हार का फर्क पांच हजार वोट से कम था, 14 पर वह तीन हजार से भी कम वोट से, 7 पर एक हजार से कम वोट से और 4 पर पांच सौ से भी कम वोट के फर्क से हारी थी।

2022 का विधानसभा चुनाव सपा और कांग्रेस ने अलग-अलग लड़ा था। सपा ने 347 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे और 32 प्रतिशत की सफलता-दर हासिल की थी। सपा-गठबंधन को पिछले विधानसभा चुनाव में 125 सीटों पर जीत मिली थी।2024 के लोकसभा चुनाव में सपा विधानसभा के 184 क्षेत्रों में आगे रही है। कांग्रेस विधानसभा के 39 क्षेत्रों में पहले क्रम पर रही। यानी दोनों मिल कर 223 सीटों पर भाजपा से आगे रहे हैं। भाजपा के अभी 255 विधायक हैं, मगर लोकसभा के चुनाव में उन में से सिर्फ 162 की सीटों पर भाजपा को बढ़त मिल पाई है। अगर एनडीए के बाकी दलों को भी शामिल कर लें तो भी यह आंकड़ा 174 पर पहुंचता है। यानी 93 सीटों का नुकसान तो भाजपा को सीधे-सीधे हो रहा है और एनडीए को मिला कर भी योगी को स्पष्ट बहुमत प्राप्त करने के लिए 28 विधायकों की जरूरत और होगी। युवाओं के देशव्यापी आंदोलन के चलते भाजपा की हालत दिनोंदिन और खराब ही हो रही है। सो, मान कर चलिए कि उत्तर प्रदेश से इस बार भाजपा की विदाई हो रही है।अब आइए उत्तराखंड पर।

वहां भाजपा 70 में से 47 सीटें जीती थी। इन में से 8 सीटें उसे पांच हजार से कम वोट के अंतर सें, 4 सीटें तीन हजार वोट से कम से और 2 सीटें पर एक हजार वोट से कम के अंतर से मिली थीं।

विचार

राजनीति में विरोधियों के प्रति तल्ख होते तेवर



बीते सप्ताह आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अपने भाषण में सत्ता में बदलाव की संभावना को नकारा। इसके अलावा बंगाल में दुर्गा पूजा के दौरान वामपंथी बुकस्टॉलों को निशाना बनाने की घटना हुई। लेकिन शासन की प्रतिक्रिया नहीं आई। हालांकि एक मंत्री का वाकये की निंदा करना लोकतंत्र की भावना के अनुकूल ही है जिसके तहत देश की राजनीति में विभिन्न विचारधाराओं का सहअस्तित्व स्वीकारने की परंपरा रही।पिछले हफ्ते की शुरूआत में नागपुर में जब तक आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अपना वार्षिक विजयादशमी भाषण दिया, जिसमें उन्होंने सत्ता परिवर्तन की संभावना को खारिज करते हुए प्रधानमंत्री मोदी और बीजेपी के प्रति संगठन के समर्थन को रेखांकित किया,तब तक, बंगाल में दुर्गा पूजा पंडालों के आसपास लगे वामपंथी साहित्य के बुकस्टॉलों में आग लगा दी जा चुकी थी।किताबों के साथ हुए इस किस्म के सलूक ने, बेशक, आपको रे ब्रैडबरी के 1953 के मशहूर उपन्यास फॉरेनहाइट 451 की याद दिलाई होगी,इस किताब का उपशीर्षक है- वह तापमान, जिस पर किताबों का कागज आग पकड़ता है और जल जाता है। यह उपन्यास अमेरिका में मैकार्थी युग के चरम पर लिखा गया था। इसमें नाजी जर्मनी में किताबों को जलाए जाने और सोवियत संघ की गुलाग जेलों में हुए दमन का जिक्र है, जब राष्ट्र-विरोधी माने जाने वाले साहित्य को पढ़ने, लिखने या उस पर विचार करने का मतलब था कड़ी सजा आमंत्रित करना।बढ़ा-चढ़ाकर देखना हो सकता है। जो भी हो, राज्य के वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता ने, जिन्होंने यकीनन मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के मुकाबले कहीं ज्यादा किताबें पढ़ी हैं–अपनी सरकार की कुछ हद तक लाज बचा ली, जब उन्होंने कहा कि हालिया दुर्गा पूजा के दौरान जिस तरह से कुछ उपद्रवियों और गुंडों ने वामपंथी बुकस्टॉलों को तहस-नहस किया है।

यू-टर्न चौराहे पर सरपट दौड़ते ट्रंप

जेलेंस्की के यूक्रेन में बिजली गुल थी, अब वाशिंगटन में प्रतिबंध गुल। कीव के लिए अमेरिकी वादा वैसा ही है जैसे दिल्ली की हवा का संतोषजनक श्रेणी में आना– पोस्टर में दिखता है, फेफड़ों में नहीं।वाशिंगटन में ट्रंप साहब का यू-टर्न अब इतना नियमित है कि वहां ट्रैफि क वालों ने स्थायी घुमाव बिंदु बनवा दिया है। पहले ट्रंप रूसी तेल के दुश्मन थे और अब दोस्त हो गये हैं।चुनाव सामने हैं। डीजल महंगा है, और ट्रंप के मुताबिक पुतिन साहब ने डीजल का वादा थमा दिया है। यानी जिस तेल से पुतिन की जंग चलती है, उसी से अमेरिकी वोटर की गाड़ी चलेगी। विदेश मंत्री रुबियो कहते हैं कि साठ दिन अध्ययन होगा। अध्ययन का नतीजा आने से पहले क्रेमलिन के दूत ने इसे ऐतिहासिक क्षण घोषित कर दिया। भारत ने राहत की सांस ली, क्योंकि सौ फीसदी टैरिफ फि लहाल टल गया। फि लहाल, यानी जब तक अगला यू-टर्न न आ जाए।

जेलेंस्की के यूक्रेन में बिजली गुल थी, अब वाशिंगटन में प्रतिबंध गुल। कीव के लिए अमेरिकी वादा वैसा ही है जैसे दिल्ली की हवा का संतोषजनक श्रेणी में आना– पोस्टर में दिखता है, फेफड़ों में नहीं। धोखा बाकायदा लिखित है, बस उस पर छूट की मुहर लगी है। जेलेंस्की हर मुलाकात में उम्मीद लेकर जाते हैं और लौटते हुए गहरी चिंता की रसीद लेकर आते हैं।पाकिस्तान और तालिबान की सरहद पर इस महीने कई बार गोले चले, एक बार तो चार घंटे लगातार। इस्लामाबाद का दावा है कि उसने तालिबान की चौकियां उड़ा दीं; काबुल का दावा उलटा है। असलियत यह है कि जिन्हें पाकिस्तान कभी रणनीतिक गहराई कहकर पालता रहा, वही आज गहराई में उतरकर हिसाब मांग रहे हैं। पाकिस्तानी प्रेस नोट रोज दुश्मन के कई ठिकाने तबाह लिखता है। इतने ठिकाने तबाह हो चुके कि तालिबान के पास अब ठिकाने कम और बयान ज्यादा बचे होंगे। सीमा के दरवाजे बंद हैं, यानी व्यापार बंद, गोलाबारी चालू। जिसे दूसरों के आंगन में आग लगाने की आदत हो, उसकी पूंछ भी देर-सवेर अपने ही आंगन में सुलगती है।

शब्द सामर्थ्य -201

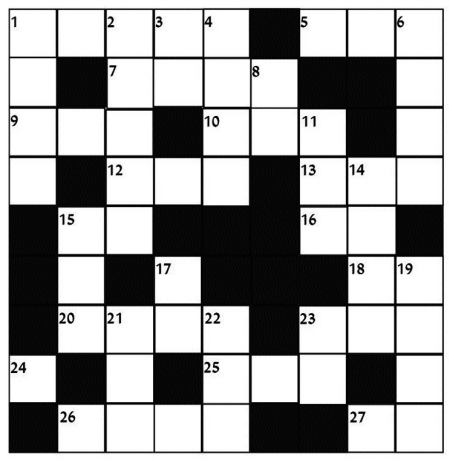
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू.) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे

1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक200 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म	■	■	स
ट	■	भ	ला	ई	■	अ	स	म
ना	म	■	■	स	मा	धि	■	झ
■	ज	■	बे	■	न	का	र	ना
बा	बू	■	आ	य	क	र	■	■
■	र	की	ब	■	■	■	प्र	था
ज	■	■	रू	प	क	■	ज	न
हा	■	पा	■	ना	म	ची	न	■
ज	हां	प	ना	ह	■	ता	न	ना

ग्राम सूरजपुरा एवं पिरचाटोला में कोदो पैरा विषाक्तता से प्रभावित पशुओं का उपचार जारी

पशु चिकित्सा विभाग की टीमें घर-घर पहुंचकर कर रहीं उपचार, पशुओं के स्वास्थ्य की कर रहे लगातार निगरानी





कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम जिले के विकासखंड सहसपुर लोहारा अंतर्गत ग्राम सूरजपुरा एवं पिरचाटोला में कोदो पैरा खाने से पशुओं में विषाक्तता के लक्षण सामने आने पर पशु चिकित्सा विभाग द्वारा तत्काल उपचार एवं आवश्यक कार्रवाई की गई।

28 अक्टूबर को लगभग 10 पशुओं में विषाक्तता के लक्षण पाए गए थे। ग्राम पंचायत सूरजपुरा से सूचना प्राप्त होने पर विभागीय अमले द्वारा उसी रात प्रभावित पशुओं का उपचार किया गया।

29 अक्टूबर की सुबह लगभग 145 पशुओं में कोदो पैरा विषाक्तता के लक्षण पाए जाने के बाद पशु चिकित्सा विभाग ने उपचार कार्य में तेजी लाई। विकासखंड सहसपुर लोहारा के समस्त मैदानी अमलों, मोबाइल वेटरनरी यूनिट (एमवीयू) तथा आसपास के क्षेत्र के पशु चिकित्सा सहायकों, मैत्री कार्यकर्ताओं एवं गौ सेवकों के सहयोग से पशुपालकों के घर पहुंचकर प्रभावित पशुओं का उपचार किया जा रहा है।

पशु चिकित्सा विभाग के प्रभारी उप संचालक डॉ. आशीष देवांगन ने पशुपालकों से अपील की है कि वे अपने पशुओं को कोदो पैरा वाले खेतों में चरने न दें। पशुओं में कंपकंपी, असंतुलन या विषाक्तता के अन्य लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी पशु चिकित्सा केंद्र से संपर्क कर उपचार कराएं, ताकि समय रहते आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

जांच के लिए लिए गए नमूने

घटना के कारणों की जांच के लिए संबंधित ग्राम के चराई क्षेत्र से कोदो पैरा का नमूना एकत्रित किया गया है। इसके साथ ही जिला रोग अन्वेषण प्रयोगशाला की टीम द्वारा प्रभावित पशुओं के रक्त एवं गोबर के नमूने भी एकत्रित किए गए हैं, जिन्हें जांच के लिए भेजा जा रहा है। नमूनों की जांच से विषाक्तता के कारणों के संबंध में जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

पशुओं के स्वास्थ्य की लगातार निगरानी

पशु चिकित्सा विभाग द्वारा प्रभावित क्षेत्र में मैदानी अमलों की पालियों में ड्यूटी लगाई गई है, ताकि पशुओं के स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जा सके और आवश्यकता के अनुसार उपचार उपलब्ध कराया जा सके। उपचार के लिए आवश्यक औषधियां संबंधित पशु चिकित्सा संस्थाओं एवं जिला स्तर पर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। उपसंचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं, जिला कबीरधाम द्वारा अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया गया है। उन्होंने मैदानी अमलों को स्थिति पर सतत निगरानी रखने तथा प्रभावित पशुओं को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

पशुओं को कोदो पैरा चराने से बचाने की अपील

पशु चिकित्सा विभाग के अनुसार अक्टूबर से नवंबर के बीच कोदो फसल की कटाई के बाद खेतों में पैरा छूट जाता है। चराई के दौरान पशुओं द्वारा इसे खा लेने से विषाक्तता की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। प्रभावित पशुओं में शरीर में लगातार कंपकंपी, शारीरिक असंतुलन, पेट फूलने तथा मादक पदार्थ के सेवन जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। गंभीर विषाक्तता की स्थिति में पशुओं की मृत्यु भी हो सकती है।

इस प्रकार की घटनाएं पूर्व में भी सामने आ चुकी हैं। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ, विकासखंड सहसपुर लोहारा द्वारा जनपद पंचायत सहसपुर लोहारा को संबंधित क्षेत्रों में मुनादी कराकर पशुओं को कोदो पैरा वाले खेतों में चरने से रोकने के लिए जागरूकता फैलाने के संबंध में पत्र लिखा गया है।

खुड़िया मल्टी-विलेज जल प्रदाय योजना : सड़क किनारे पाइपलाइन बिछाने के लिए किया गया संयुक्त निरीक्षण



लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिले में ग्रामीण परिवारों तक स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खुड़िया मल्टी-विलेज जल प्रदाय योजना के कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कलेक्टर श्री अमृत विकास तोपनो ने योजना के अंतर्गत पाइपलाइन बिछाने के कार्य को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। इसके परिपालन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोकुल रावटे के मार्गदर्शन में संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक प्रक्रियाओं को गति देने लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं नगर पालिका लोरमी के अधिकारियों ने लोक निर्माण विभाग की सड़क के किनारे पाइपलाइन बिछाने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के संबंध में संयुक्त रूप से स्थल निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सड़क किनारे पाइपलाइन बिछाने से जुड़े आवश्यक तकनीकी एवं विभागीय पहलुओं का आकलन करने तथा संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने पर ध्यान दिया गया। खुड़िया मल्टी-विलेज जल प्रदाय योजना के कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जा रहा है। संयुक्त निरीक्षण का उद्देश्य पाइपलाइन बिछाने के लिए आवश्यक अनुमति की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना तथा कार्य के क्रियान्वयन में आने वाली संभावित बाधाओं का समय रहते निराकरण करना है।

वोट बचाओ देश बचाओ अभियान को लेकर कांग्रेस ने उठाए चुनावी पारदर्शिता के सवाल

रेस्ट हाउस मुंगेली में जिला स्तरीय प्रेस कॉन्फ्रेंस, मतदाता सूची की शुद्धता और निर्वाचन आयोग की जवाबदेही पर चर्चा



मुंगेली (दैनंदिनी ब्यूरो)। पुरे देश भर में कांग्रेस के 'वोट बचाओ देश बचाओ' अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। जिसके मद्देनजर प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैंज के निर्देश प्रदेश के सभी जिले में प्रेस वार्ता कर लोगो को एक जूट करने की मुहीम छेडी गई है। इसी कडी में मुंगेली जिले में भी पत्रकार वार्ता रेस्ट हाउस, मुंगेली में जिला स्तरीय प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। जिसमें एआईसीसी पर्यवेक्षक शरद अहेर सहित भिलाई विधायक देवेंद्र यादव, पूर्व वन मंत्री मो. अकबर, हितेंद्र ठाकुर पी सी सी पर्यवेक्षक, जिलाध्यक्ष धनश्याम वर्मा उपस्थित रहें।

इस अवसर पर एआईसीसी पर्यवेक्षक शरद अहेर कहा कि मतदाता सूची की पारदर्शिता, मतदाताओं के नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया तथा निर्वाचन आयोग की जवाबदेही जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। कांग्रेस का कहना है कि चुनावी अनियमितताओं का सवाल केवल विशेष गहन पुनरीक्षण एस आई आर तक सीमित नहीं है, बल्कि निष्पक्ष चुनाव और प्रत्येक पात्र नागरिक के मतदान अधिकार से जुड़ा व्यापक विषय है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र, कर्नाटक और हरियाणा सहित विभिन्न क्षेत्रों की मतदाता सूचियों में कथित विसंगतियों को लेकर सवाल उठाए हैं। महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच मतदाताओं की संख्या में वृद्धि, कर्नाटक के महादेवपुरा क्षेत्र में कथित दोहरे पंजीकरण और संदिग्ध प्रविष्टियों तथा आलंद में नाम हटाने के कथित प्रयासों को लेकर पार्टी ने पारदर्शी जांच की मांग की है।

भिलाई विधायक देवेंद्र यादव ने लोक तंत्र बचाने कि जो मुहीम चल रही हैं, उसमे बड़ी संख्या मैं भाग लेने का आवाहन किया हैं।

वही अध्यक्ष घनश्याम वर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने मतदाता सूची से नाम हटाने और जोड़ने के संबंध में विस्तृत डिजिटल आंकड़े सार्वजनिक करने, राजनीतिक दलों को सत्यापन योग्य रिकॉर्ड उपलब्ध कराने तथा प्रभावित मतदाताओं को अपील और सुधार का पर्याप्त अवसर देने की मांग की है। पार्टी का कहना है कि मतदाता सूची में गंभीर विसंगतियों की आशंका होने पर स्वतंत्र और समयबद्ध जांच कराई जानी चाहिए। उन्होने मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया और निर्वाचन आयुक्तों को प्राप्त कानूनी संरक्षण को लेकर भी सवाल उठाए हैं। श्री वर्मा ने कहा कि निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता तथा निर्णयों की जवाबदेही जरूरी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिला कांग्रेस इकाई स्थानीय स्तर पर मतदाता सूची में संभावित विसंगतियों की पहचान, प्रभावित नागरिकों के मामलों का दस्तावेजीकरण और मतदाता जागरूकता अभियान चलाने का संदेश देगी। कांग्रेस की घोषित मांगों मे एस आई आर प्रक्रिया पर पुनर्विचार, कथित अनियमितताओं की जांच और मतदाता सूची से हटाए गए नामों के संबंध में पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करना शामिल है। कांग्रेस का कहना है कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदान अधिकार सुरक्षित रहना चाहिए। इसके लिए पारदर्शिता, निष्पक्षता, जवाबदेही और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इस दौरान जिलाध्यक्ष घनश्याम वर्मा, थानेश्वर साहू, संजीत बनर्जी, चंद्रभान बारमते, चुरावन मंगेश्कर, हेमेन्द्र गोस्वामी, रोहित शुक्ला, दिलीप बंजारा, श्रीनिवास ठाकुर, दीपक गुप्ता, मुकेश मीरी, तारीणी विश्वकर्मा, रघुराज सिंह, राम स्वरूप श्याम, स्वतंत्र मिश्रा, संजय यादव, लक्ष्मीकांत भास्कर, एजाज खोखर, मनिष त्रिपाठी, नरेश पाटले, जागेश्वरी वर्मा, मायारानी सिंह, अनिता विश्वकर्मा, पवन अग्रवाल, अरविंद वैष्णव, खुशबू वैष्णव, उर्मिला यादव, सविता पाठक, हैमिन मंगेशकर, रामजी ध्रुव, आनंद सोनी, अभिलाष जायसवाल, ग्वाल दास अनंत, नेहरू साहू, आकाश वैष्णव, संजय कुर्रे, संजय जायसवाल, लक्की गर्ग, इंद्रजीत कुर्रे,सूरज यादव, असद खोखर, कौशल सिंह, क्षत्रिय, अभिषेक यादव, सम्पत जायसवाल, खेमू साहू, राजेश यादव,उमेश सोनी,वहाब खान, नेहरू साहू, नेतराम साहू, धर्मेन्द्र श्रीवास, तारण टंडन, राजेन्द्र टंडन, सतीश यादव, खेमू साहू, अनील दास, पवन दास, रमेश राजपूत, पुरूषोत्तम मार्को, लखन कश्यप, जित्तु श्रीवास्तव, मुकेश साहू, महेन्द्र यादव, टेकराम सोनवानी, टेकराम निर्मलकर, मानस लोधी, टीकाराम यादव, हेमंत मानिकपुरी, संजय चंदेल, मकबूल, श्रवण सोनकर,नारद देवांगन, मानवी खाण्डे , सहित बडी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहें।

कबीरधाम पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को फिंगर प्रिंट एवं आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों का दिया गया प्रशिक्षण



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। पुलिस महानिरीक्षक, राजनांदगाँव रेंज, राजनांदगाँव अजय कुमार यादव (आई.पी.एस.) के निर्देशन में कबीरधाम पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव (आई.पी.एस.) के मार्गदर्शन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित कुमार पटेल के दिशा निर्देश में आज दिनांक 29 अक्टूबर 2026 को ट्रैफिक प्लाजा, कवर्धा में जिले के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए फिंगरप्रिंट एवं आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों से संबंधित विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई।

प्रशिक्षण कार्यशाला में दुर्ग एवं राजनांदगाँव रेंज के फिंगरप्रिंट विशेषज्ञ निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार भारती द्वारा पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को फिंगरप्रिंट से संबंधित वैज्ञानिक प्रक्रियाओं तथा आधुनिक तकनीकी प्रणालियों के उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य अपराध अनुसंधान में वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के महत्व को समझाते हुए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इनके प्रभावी उपयोग के लिए दक्ष बनाना था।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान घटनास्थल से फिंगरप्रिंट प्राप्त करने की वैज्ञानिक प्रक्रिया, फिंगरप्रिंट की पहचान एवं संरक्षण, फिंगरप्रिंट डेवलपिंग किट के उपयोग तथा वैज्ञानिक साक्ष्यों के सुरक्षित संकलन एवं विश्लेषण के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही, घटनास्थल से प्राप्त फिंगरप्रिंट के आधार पर संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करने तथा विवेचना के दौरान वैज्ञानिक साक्ष्यों का उचित उपयोग सुनिश्चित करने की प्रक्रियाओं पर विशेष जोर दिया गया। कार्यशाला में नेशनल ऑटोमेटिक फिंगरप्रिंट आईडेंटिफिकेशन सिस्टम (NAFIS) एवं मेजरमेंट कलेक्शन यूनिट (MCU) तकनीक के उपयोग और उनकी कार्यप्रणाली के संबंध में भी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अधिकारियों एवं वरिष्ठ आरक्षकों को बताया गया कि फिंगरप्रिंट संबंधी तकनीकी प्रणालियों का प्रभावी उपयोग अपराध अनुसंधान में व्यक्तियों की पहचान, उपलब्ध रिकॉर्ड के सत्यापन तथा विवेचना को अधिक सटीक एवं व्यवस्थित बनाने में सहायक होता है।

प्रशिक्षण के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को घटनास्थल से प्राप्त साक्ष्यों की महत्ता बनाए रखने, उनके उचित संकलन एवं संरक्षण तथा विवेचना के दौरान तकनीकी संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। इस प्रकार के प्रशिक्षण से पुलिसकर्मियों की तकनीकी कार्यकुशलता में वृद्धि होने के साथ-साथ अपराधों की विवेचना को अधिक वैज्ञानिक एवं प्रभावी बनाने में सहायता मिलती है।

कबीरधाम पुलिस द्वारा अपराध अनुसंधान में आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों एवं तकनीकी संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य साक्ष्य आधारित विवेचना को प्रोत्साहित करना, अपराधियों की पहचान की प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाना तथा कानून के अनुरूप अपराधों के प्रभावी निराकरण की दिशा में पुलिस की कार्यक्षमता को और बेहतर बनाना है।

कार्यशाला के सफल आयोजन एवं संचालन में एम.सी.यू. प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक श्री चन्द्रभूषण सिंह, सहायक उपनिरीक्षक श्री शफीक कुरैशी, प्रधान आरक्षक श्री मन्नू चंद्रवंशी एवं एन.ए.एफ.आई.एस. प्रभारी श्री चेतक नाथ योगी का विशेष एवं सराहनीय योगदान रहा।

जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन 2 नवंबर को, सांसद संतोष पाण्डेय होंगे मुख्य अतिथि

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण होने पर पीजी कॉलेज मैदान में होगा जिला स्तरीय आयोजन



कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य गठन के 26 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 2 नवंबर 2026 को कबीरधाम जिले में भव्य जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन किया जाएगा। कवर्धा स्थित पीजी कॉलेज मैदान में आयोजित इस समारोह में राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री संतोष पाण्डेय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

सांसद श्री संतोष पाण्डेय की मुख्य उपस्थिति में आयोजित होने वाला यह राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की गौरवशाली यात्रा, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विकास की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने का अवसर होगा। राज्य स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित इस जिला स्तरीय समारोह के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, परंपराओं और विकास की दिशा में हुए प्रयासों को रेखांकित किया जाएगा।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मंडल, बिलासपुर
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

छत्तीसगढ़ शासन, लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर में निम्नलिखित कार्य नवीन ई-पंजीयन में पंजीकृत ठेकेदार हेतु दिनांक 12.11.2026 तक निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	नि.आ. सू.क्र.	कार्य का नाम	लागत (लाख में)
1	373	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रं.- 3 एवं उच्च न्यायालय उपसंभाग क्रं. 2 बिलासपुर के अंतर्गत विभिन्न सड़को एवं पुल पुलियो का विशेष मरम्मत कार्य । **द्वितीय आमंत्रण। संभाग क्रं. 2 बिलासपुर ।**	60.00
2	374	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग उच्च न्यायालय उपसंभाग क्रं.- 1,2 बिलासपुर एवं उपसंभाग क्रं. 3 एवं उपसंभाग कोटा के अंतर्गत विभिन्न आवासीय एवं गैर आवासीय भवन में विशेष मरम्मत कार्य। **द्वितीय आमंत्रण। संभाग क्रं. 2 बिलासपुर ।**	50.00
3	375	सारंगढ़ उपसंभाग के अंतर्गत भवनों का विशेष मरम्मत / लघुमूल गौण कार्य। **द्वितीय आमंत्रण। संभाग सारंगढ़।**	55.00
4	376	बिलाईगढ़ उपसंभाग के अंतर्गत भवनों का विशेष मरम्मत / लघुमूल गौण कार्य। **द्वितीय आमंत्रण। संभाग सारंगढ़।**	55.00
5	377	बिलाईगढ़ उपसंभाग के अंतर्गत भवनों का विशेष मरम्मत कार्य। द्वितीय आमंत्रण। संभाग सारंगढ़।	75.00
6	378	सारंगढ़ उपसंभाग के अंतर्गत अचानकपाली पहुंच मार्ग का विशेष मरम्मत कार्य। **द्वितीय आमंत्रण। संभाग सारंगढ़।**	75.00

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी, विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते हैं।

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि., बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर

जी- 262704269/3

पार्थ भुट ने रणजी ट्रॉफी में रचा इतिहास, 17 रन देकर झटके 8 विकेट, सौराष्ट्र को दिलाई बड़ी जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। रणजी ट्रॉफी में सौराष्ट्र के बाएं हाथ के स्पिनर पार्थ भुट ने अपनी फिरकी का ऐसा जादू दिखाया कि असम के बल्लेबाज एक के बाद एक पवेलियन लौटते चले गए। पार्थ ने महज 17 रन देकर आठ विकेट हासिल किए और इसके साथ ही सौराष्ट्र के लिए रणजी ट्रॉफी में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन का नया रिकॉर्ड बना दिया। उनकी घातक गेंदबाजी की बदौलत सौराष्ट्र ने असम को पारी से हराकर 7 पॉइंट अपने नाम कर लिए।



पार्थ भुट ने गुरुवार को असम के खिलाफ मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए सौराष्ट्र की जीत में अहम भूमिका निभाई। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने अपनी शानदार गेंदबाजी से विपक्षी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। उनकी गेंदबाजी के आगे असम की बल्लेबाजी को पूरी तरह बिखर गई। इस प्रदर्शन के साथ पार्थ ने सौराष्ट्र की ओर से रणजी ट्रॉफी की किसी एक पारी में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

लगातार दूसरे मैच में 5 विकेट हॉल

29 साल के पार्थ के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी खास है, क्योंकि वह लगातार दूसरे मैच में पांच विकेट लेने में सफल रहे हैं। इससे पहले कर्नाटक के खिलाफ पिछले मुकाबले की दूसरी पारी में भी उन्होंने पांच विकेट झटके थे। लगातार दो मैचों में शानदार गेंदबाजी करके पार्थ ने अपनी फॉर्म और काबिलियत का बेहतरीन नमूना पेश किया है।

गौरतलब है कि फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पार्थ भुट का प्रदर्शन लगातार बेहतर होता जा रहा है। अपने करियर के 25 मैचों में वह अब तक 9 बार एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट लेने का कारनामा कर चुके हैं। असम के खिलाफ आठ विकेट का प्रदर्शन उनके करियर की यादगार उपलब्धियों में शामिल हो गया है।

जयदेव उनादकट के खास क्लब में शामिल हुए पार्थ

पार्थ भुट सौराष्ट्र के लिए रणजी ट्रॉफी की एक पारी में आठ विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज भी बन गए हैं।

उनसे पहले यह कारनामा टीम के कप्तान जयदेव उनादकट ने किया था। उनादकट ने जनवरी 2023 में दिल्ली के खिलाफ 39 रन देकर आठ विकेट हासिल किए थे। अब पार्थ ने 17 रन देकर 8 विकेट लेते हुए इस सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है। उनके आंकड़े उनादकट से भी बेहतर रहे।

अभिषेक शर्मा 35 रन बनाते ही रचेंगे इतिहास ईशान किशन की बादशाहत पर मंडरा रहा खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का बल्ला इन दिनों जमकर बोल रहा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी T20I सीरीज में भी भारतीय ओपनर का प्रदर्शन शानदार रहा है। अब अभिषेक के पास चौथे T20I मुकाबले में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने का मौका है।अभिषेक अगर 35 रन बना लेते हैं, तो वह साल 2026 में T20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। फिलहाल इस मामले में ईशान किशन उनसे आगे हैं।



भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का चौथा T20I मुकाबला शुक्रवार यानी 30 अक्टूबर को ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला जाएगा। इस मैच में अभिषेक के प्रदर्शन पर खास नजर रहेगी। वह इस साल T20 इंटरनेशनल में अब तक 1125 रन बना चुके हैं, जबकि ईशान किशन 1159 रन के साथ लिस्ट में शीर्ष पर हैं। दोनों के बीच फिलहाल 34 रन का अंतर है। ऐसे में अभिषेक को ईशान से आगे निकलने के लिए 35 रन बनाने होंगे।

ईशान किशन की बादशाहत को चुनौती

साल 2026 में T20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा है। ईशान किशन और अभिषेक शर्मा के बीच शीर्ष स्थान के लिए मुकाबला दिलचस्प हो गया है। अभिषेक के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले मैच में ईशान को पीछे छोड़ने का मौका होगा।

साल 2026 में T20I क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

ईशान किशन - 1159
अभिषेक शर्मा - 1125
करणबीर सिंह - 895
संजू सैमसन - 802
तिलक वर्मा - 716

IND vs NZ T20I सीरीज में भी अभिषेक का जलवा

न्यूजीलैंड के खिलाफ मौजूदा T20I सीरीज में भी अभिषेक शर्मा ने बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया है। वह अब तक सीरीज में 169 रन बना चुके हैं और ग्लेन फिलिप्स के साथ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। अब चौथे T20I में अभिषेक के पास दोहरी उपलब्धि हासिल करने का मौका है। गौरतलब है कि अभिषेक शर्मा ने अब तक 70 T20 इंटरनेशनल मुकाबलों की 69 पारियों में 2240 रन बनाए हैं।

तीन T20 वर्ल्ड कप खेलने वाले खिलाड़ी ने अचानक लिया बड़ा फैसला, 28 साल की उम्र में रिटायरमेंट का कर दिया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयरलैंड क्रिकेट टीम के खिलाड़ी और शानदार लेग स्पिनर बेन व्हाइट ने इंटरनेशनल क्रिकेट से अपने रिटायरमेंट का ऐलान करने के साथ सभी को चौंका दिया है। बेन व्हाइट की उम्र अभी सिर्फ 28 साल है और वह आयरलैंड के स्क्वॉड का प्रमुख हिस्सा भी रहे हैं, जिसमें उनको आखिरी बार देश की तरफ से खेलने का मौका साल 2025 दिसंबर महीने में बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में मिला था और उसको आयरलैंड की टीम अपने नाम करने में कामयाब रही थी। बेन व्हाइट ने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने करियर की शुरुआत साल 2021 में की थी, जिसमें उन्होंने पहला मुकाबला साउथ अफ्रीका की टीम के खिलाफ खेला था। बेन व्हाइट को आयरलैंड की तरफ से जहां तीनों फॉर्मेट में खेलने का मौका मिला तो वह तीन टी20 वर्ल्ड कप में स्क्वॉड का हिस्सा रहे हैं। बेन ने अपने रिटायरमेंट फैसले को लेकर दिए बयान में कहा कि मैं क्रिकेट आयरलैंड को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे अपने देश का प्रतिनिधित्व करने और सर्वोच्च स्तर पर क्रिकेट खेलने के बचपन के सपने को पूरा करने का मौका दिया। तीन ICC T20 वर्ल्ड कप में आयरलैंड का प्रतिनिधित्व करना और टेस्ट क्रिकेट खेलना, यह कुछ ऐसा था जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। लेकिन मुझे इस बात पर हमेशा बहुत गर्व रहेगा और इस सफर के दौरान मिले अनुभवों और यादों के लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगा। व्हाइट आयरलैंड की ओर से साल 2021, 2024 और 2026 तीन टी20 वर्ल्ड कप का हिस्सा रहे हैं।

लेग स्पिनर बेन व्हाइट के इंटरनेशनल करियर को लेकर बात की जाए तो उन्होंने 3 टेस्ट, 2 वनडे और 38 टी20 इंटरनेशनल मिलाकर कुल 43 इंटरनेशनल मुकाबले आयरलैंड की तरफ से खेले हैं। व्हाइट ने टेस्ट में 4 जबकि वनडे में सिर्फ एक विकेट अपने नाम किया। वहीं टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में उनके करियर को लेकर बात की जाए तो उन्होंने 27.38 के औसत से 36 विकेट लेने में कामयाब रहे हैं।

स्टीव स्मिथ की चोट पर आया बड़ा अपडेट, ऑस्ट्रेलिया को साल के अंत में वापसी की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ की चोट ने टीम की चिंता बढ़ा दी है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ निर्णायक टेस्ट से ठीक पहले स्मिथ ने खुद को मुकाबले के लिए अनफिट पाया, जिसके बाद उन्हें टीम से बाहर होना पड़ा। जांच में उनकी गर्दन के जोड़ में चोट की पुष्टि हुई है। हालांकि, ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए राहत की बात यह है कि स्मिथ के न्यूजीलैंड के खिलाफ दिसंबर में होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज तक फिट होने की उम्मीद है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पुष्टि की है कि स्मिथ की गर्दन के सर्वाइकल फैसेट जॉइंट में चोट लगी है। उन्हें साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के चौथे दिन ग्केबेरहा में पहली बार गर्दन में दर्द महसूस हुआ था। इसके बाद उनकी परेशानी लगातार बनी रही। केपटाउन पहुंचने पर उनके स्कैन कराए गए, जिनमें चोट का पता चला।



सर्वाइकल फैसेट जॉइंट गर्दन की रीढ़ की हड्डियों के पीछे स्थित छोटे जोड़ होते हैं, जो गर्दन की गति को नियंत्रित करने और उसे स्थिर रखने में मदद करते हैं। इस चोट के कारण स्मिथ की गर्दन की मूवमेंट भी लिमिटेड हो गई थी, जिससे उनके लिए मैदान पर उतरना मुश्किल हो गया।

अभ्यास के दौरान भी परेशान रहे स्मिथ

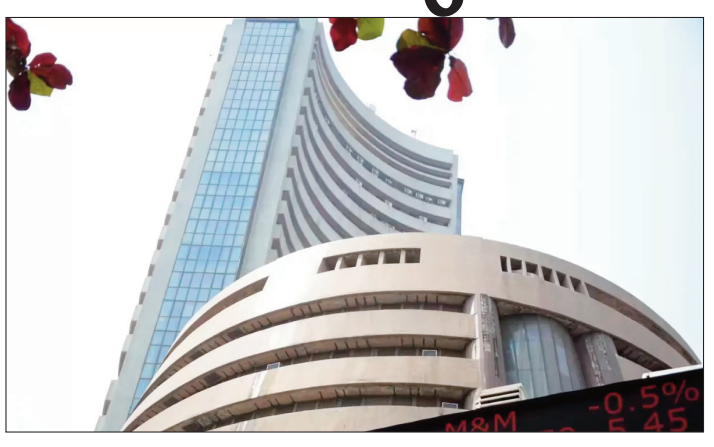
सेंट जॉर्ज पार्क में खेले गए दूसरे टेस्ट की पहली पारी के दौरान भी स्मिथ असहज नजर आए थे। दूसरी पारी में उन्हें सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया। इसके बावजूद उम्मीद की जा रही थी कि वह केपटाउन के न्यूलैंड्स में होने वाले निर्णायक टेस्ट में खेलेंगे। हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड और कप्तान पैट कमिंस ने भी उनके खेलने को लेकर भरोसा जताया था। लेकिन अंतिम टेस्ट से पहले अभ्यास के दौरान स्मिथ की परेशानी बनी रही। मैच शुरू होने की सुबह उन्होंने फैसला किया कि वह पूरे मुकाबले में खेलने की स्थिति में नहीं हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बयान में कहा कि स्टीव स्मिथ को पिछले सप्ताह ग्केबेरहा में दूसरे टेस्ट के चौथे दिन गर्दन में दर्द हुआ था। इसके बाद MRI जांच में सर्वाइकल फैसेट जॉइंट में चोट की पुष्टि हुई। इस चोट और गर्दन की सीमित मूवमेंट के कारण वह मौजूदा टेस्ट में खेलने के लिए फिट नहीं थे। बयान में आगे कहा गया कि स्मिथ का उपचार और रिहैबिलिटेशन जारी रहेगा। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए उपलब्ध होने की उम्मीद है।

व्यापार

शेयर बाजार में हरे निशान पर शुरुआत, सेंसेक्स-निफ्टी में मामूली तेजी

मुंबई (एजेंसी)। ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेतों के बीच गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत हल्की बढ़त के साथ हरे निशान में हुई। पिछले सत्रों में रही उठापटक के बाद आज सुबह आईटी और पोर्ट्स शेयरों में आई खरीदारी ने बाजार को सहारा दिया। सत्र की शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स 40.72 अंक यानी 0.06 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 73,286.75 के स्तर पर खुला। वहीं, एनएसई का निफ्टी 50 भी 3.05 अंक यानी 0.01 प्रतिशत चढ़कर 22,701.90 के स्तर पर कारोबार करता देखा गया। शुरुआती सत्र में बाजार की रफ्तार संतुलित नजर आई, जहां लगभग 1,190 शेयरों में तेजी रही, 1,035 शेयर गिरावट में रहे और 155 शेयर बिना किसी बदलाव के फ्लैट खुले।



सेक्टोरल सूचकांकों की बात करें तो बाजार में मिला-जुला माहौल देखने को मिलाः आईटी सेक्टर में आई तेजी से निफ्टी आईटी इंडेक्स 0.84% बढ़कर 31,819.00 पर पहुंच गया। निफ्टी पीएसयू बैंक में 0.41% की मजबूती देखी गई, वहीं निफ्टी मीडिया 0.20% बढ़ा। निफ्टी फार्मा (+0.05%) और निफ्टी हेल्थकेयर (+0.05%) भी हरे निशान में टिके रहे। जबकि मेटल, ऑटो और केमिकल शेयरों में मुनाफावसूली का असर दिखा। निफ्टी केमिकल 0.62%, निफ्टी सीमेंट 0.62%, निफ्टी मेटल 0.47% और निफ्टी ऑटो 0.38% फिसलकर लाल निशान में आ गए। इसके अलावा निफ्टी बैंक (-0.10%) और निफ्टी एफएमसीजी (-0.22%) में भी हल्की नरमी रही।

शुरुआती कारोबार में निफ्टी 50 के दिग्गज शेयरों ने सूचकांक को लाल निशान में जाने से बचाए रखा। अदाणी पोर्ट्स 2.08% की मजबूती के साथ ₹1,798.00 पर पहुंचकर टॉप गेनर बना। इसके साथ ही टीसीएस 1.54% की छलांग लगाकर ₹2,498.00 पर कारोबार कर रहा था। बीएसई (+1.15%), भारती एयरटेल (+0.99%), पावरग्रिड (+0.95%), इंफोसिस (+0.83%), एचसीएल टेक (+0.66%) और टेक महिंद्रा (+0.61%) भी बढ़त बनाने में कामयाब रहे। दूसरी ओर, ऑटो और रिटेल सेक्टर के शेयरों में कमजोरी दर्ज की गई। ट्रेंट 1.51% की गिरावट के साथ ₹2,870.00 पर आ गया। वहीं मारुति सुजुकी (-0.94%), हिंडाल्को (-0.90%), एचडीएफसी बैंक (-0.89%), बजाज फाइनेंस (-0.59%), ओएनजीसी (-0.52%) और आइशर मोटर्स (-0.42%) में शुरुआती बिकवाली देखने को मिली।

बाजार का आगे का आउटलुक

वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता के बावजूद भारतीय बाजार में आईटी और इंफ्रास्ट्रक्चर शेयरों का प्रदर्शन बेहतर बना हुआ है। दिन के बाकी सत्र में कॉर्पोरेट तिमाही नतीजों, विदेशी निवेशकों (FIIs) की खरीदारी और वायदा सौदों की एक्सपायरी के चलते बाजार की दिशा तय होगी।

करवा चौथ पर दिल्ली की 51 बेटियों को मिला 1-1 लाख रुपये का तोहफा, सीएम रेखा गुप्ता ने खुद सौंपे चेक



नई दिल्ली (एजेंसी)। करवा चौथ का त्योहार दिल्ली की 51 नवविवाहित महिलाओं के लिए खास बन गया। शादी के बाद अपना पहला करवा चौथ मना रहीं इन महिलाओं को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 1-1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी। मुख्यमंत्री ने कुल 51 लाख रुपये की मदद के चेक सौंपे और नवविवाहित जोड़ों को सुखी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद दिया।

यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में आयोजित किया गया। इस दौरान रेखा गुप्ता ने 51 बेटियों को एक-एक लाख रुपये के चेक दिए। ये सभी महिलाएं इसी साल मार्च में लाडली फाउंडेशन की ओर से आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में शादी के बंधन में बंधी थीं। शादी के बाद यह उनका पहला करवा चौथ है।

एसबीआई लाइफ ने छत्तीसगढ़ में शुरू की 'बीमा की बात' अभियान, आईआरडीएआई के विजन '2047 तक सभी के लिए बीमा' के अनुरूप बढ़ाएगा बीमा जागरूकता

रायपुर ■ दैनन्दिनी

भारत में वित्तीय सेवाओं का विस्तार होने के बावजूद, दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा में जीवन बीमा की भूमिका को लेकर जागरूकता अभी भी सीमित है। इससे यह स्पष्ट होता है कि है कि लोगों के बीच जीवन बीमा के महत्व को लेकर जागरूकता बढ़ाने की काफी जरूरत है। इसी कमी को दूर करने के लिए भारत की भरोसेमंद जीवन बीमा कंपनियों में से एक एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने आज 'बीमा की बात' पहल की शुरुआत की। रायपुर से रवाना की गई विशेष कैंटर वैन छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में जाकर लोगों को बीमा के प्रति जागरूक करेगी। आईआरडीएआई की राज्य बीमा योजना के तहत छत्तीसगढ़ में जीवन बीमा के लिए लीड इंश्योरर होने के नाते, यह पहल लोगों को वित्तीय सुरक्षा से जुड़े सही फैसले लेने में सक्षम बनाकर नियामक के '2047 तक सभी के लिए बीमा' विजन को आगे बढ़ाने की एसबीआई लाइफ की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है।

इस समारोह में छत्तीसगढ़ शासन के वित्त विभाग के विशेष सचिव श्री ऋषभ कुमार परासर, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के वेस्ट ज़ोन के ज़ोनल डायरेक्टर श्री राजीव श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ शासन के वित्त विभाग के एडिशनल डायरेक्टर श्री अंकित मोदी और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के भोपाल के रीजनल डायरेक्टर श्री अमित कुमार साहा सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

आईआरडीएआई की राज्य बीमा योजना के तहत जीवन बीमा के लिए लीड इंश्योरर की जिम्मेदारी निभाते हुए, एसबीआई लाइफ छत्तीसगढ़ में जीवन बीमा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लोगों को वित्तीय सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करने हेतु काम कर रही है, ताकि नियामक के विजन को आगे बढ़ाया जा सके।

यह पहल ऐसे समय में शुरू की गई है, जब देश में बीमा से जुड़े आँकड़ें आम लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने की जरूरत को रेखांकित करते हैं। आईआरडीएआई की वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 के अनुसार, भारत में बीमा का दायरा अभी भी सिर्फ 3.7% है, जबकि दुनिया में इसका औसत 7.3% है। वहीं, प्रीमियम बढ़ने के बावजूद जीवन बीमा का दायरा 2.8% से घटकर 2.7% रह गया है। ये आँकड़ें बताते हैं कि देश में बीमा सुरक्षा का दायरा बढ़ाने की कितनी जरूरत है। साथ ही, नागरिकों के लिए बीमा से जुड़ी जानकारी को आसान, सुलभ और उनकी जरूरतों के अनुरूप बनाना भी जरूरी है।



आईआरडीएआई की राज्य बीमा योजना का उद्देश्य जीवन बीमा की पहुँच बढ़ाने और लोगों को इसके बारे में बेहतर जानकारी देने के लिए राज्य स्तर पर विशेष प्रयासों को बढ़ावा देना है। छत्तीसगढ़ में जीवन बीमा के लिए लीड इंश्योरर की जिम्मेदारी एसबीआई लाइफ को सौंपी गई है। यह भूमिका लोगों के बीच लगातार और स्थानीय स्तर पर जागरूकता बढ़ाने की जरूरत को रेखांकित करती है, ताकि वे अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित रखने में वित्तीय सुरक्षा की अहमियत समझ सकें।

इस दिशा में लोगों तक सीधे पहुँचने के लिए 'बीमा की बात' कैंटर वैन राज्य के सभी 33 जिलों में जाएगी। इस वैन में एलईडी के माध्यम से ऑडियो-विजुअल सामग्री पेश की जाएगी। इसमें स्थानीय छत्तीसगढ़ी भाषा का इस्तेमाल होगा। साथ ही, इंटरैक्टिव मॉड्यूल के माध्यम से बीमा से जुड़ी बातों को सरल, सहज और स्थानीय संस्कृति से जोड़कर समझाया जाएगा।

इस अवसर पर एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के पश्चिम क्षेत्र के जोनल डायरेक्टर श्री राजीव श्रीवास्तव ने कहा, "देश में वित्तीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए लोगों का यह समझना जरूरी है कि जीवन बीमा उनके भविष्य को सुरक्षित रखने में क्या भूमिका निभाता है। हालाँकि, कई समुदायों में आज भी इसे लेकर जागरूकता की कमी है। छत्तीसगढ़ में जीवन बीमा के लिए लीड इंश्योरर होने के नाते, एसबीआई लाइफ ऐसी पहलों के माध्यम से इस कमी को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी में वित्तीय सुरक्षा की अहमियत को समझने में मदद करें। 'बीमा की बात' इसी दिशा में आईआरडीएआई के '2047 तक सभी के लिए बीमा' के राष्ट्रीय विजन को आगे बढ़ाने की हमारी जिम्मेदारी को दर्शाती है। यह हमारी सोच 'अपने लिए, अपनों के लिए' को भी सामने लाती है। वित्तीय सुरक्षा सिर्फ एक प्रोडक्ट नहीं, बल्कि एक उद्देश्य है, जो लोगों के सपनों को पूरा करने, परिवारों को सुरक्षित रखने और देश को अधिक मजबूत बनाने में मदद करता है।"

इस पहल पर अपनी बात रखते हुए, छत्तीसगढ़ शासन के वित्त सचिव, आईएएस डॉ. रोहित यादव ने कहा, "आईआरडीएआई के '2047 तक सभी के लिए बीमा' विजन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर भारतीय परिवार को आसान, किफायती और जरूरत के मुताबिक बीमा सुरक्षा मिल सके, चाहे वह किसी भी आर्थिक वर्ग, जिले या सामाजिक समूह से हो। जब लोग समझते हैं कि जीवन बीमा उनके सपनों और परिवार को सुरक्षित रखने के साथ दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता में कैसे मदद करता है, तो वे अपने भविष्य के लिए बेहतर और अधिक भरोसे के साथ फैसले ले पाते हैं। इसलिए ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में लोगों तक सरल और स्पष्ट जानकारी पहुँचाना बेहद जरूरी है। एसबीआई लाइफ की बीमा जागरूकता पहल 'बीमा की बात' इस दिशा में एक सार्थक कदम है। इसके माध्यम से लोगों को उनकी स्थानीय भाषा में बीमा से जुड़ी जानकारी दी जा रही है, ताकि वे अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए सही फैसले ले सकें। इससे छत्तीसगढ़ के परिवारों को आर्थिक रूप से अधिक सुरक्षित भविष्य बनाने में मदद मिलेगी।"

'बीमा की बात' पहल के माध्यम से एसबीआई लाइफ छत्तीसगढ़ में वित्तीय सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि व्यक्ति और परिवार जीवन बीमा और अपने लंबे समय के वित्तीय भविष्य से जुड़े फैसले बेहतर जानकारी के साथ ले सकें।

ईश्वर के दर्शन प्राप्त चिंतन से होते हैं चिंता से नहीं : श्री संकर्षण शरण जी

छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्षा डॉ. वर्णिका शर्मा ने गुरुदेवजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया

रायपुर ■ दैनन्दिनी



माँ कामाख्या धर्मादा ट्रस्ट भारत वर्ष के संयोजन में आयोजित त्रिदिवसीय गीता ज्ञान अमृत वर्षा में आज कथा के द्वितीय दिवस गुरुदेव श्री संकर्षण शरण जी के मुखारविंद से श्रद्धालुओं ने गीता कथा का श्रवण किया। गुरुदेव ने गीता के माध्यम से श्रद्धालुओं को जीवन जीने की कला के बारे में बताया।

जब आपकी भक्ति प्रेम के प्रति हो जाएगी, तो कृष्ण के प्रति भी अपने आप हो जाएगी

गुरुदेव कथा के दौरान बताते हैं कि कृष्ण जी प्रेम हैं और प्रेम ही कृष्ण है। भगवान के कोई माता-पिता नहीं हैं, ईश्वर प्रेम से प्रकट होते हैं। जिस तरह परमात्मा अनंत हैं, उसी तरह प्रेम भी अनंत है।

गुरुजी ने भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन की कथा के माध्यम से बताया कि यदि ईश्वर को प्राप्त करना है और वास्तव में ईश्वर के दर्शन करने हैं, तो सबसे पहले चिंता को त्यागकर चिंतन कीजिए। ईश्वर का, ईश्वर की लीलाओं का और गुरुवाणी का चिंतन कीजिए।

गुरुदेव कहते हैं कि जो व्यक्ति जितना अधिक चिंतन करता है, वह उतना ही भगवान से जुड़ा हुआ होता है। वहीं, जो व्यक्ति चिंता में लगा रहता है, वह सांसारिक आडंबरों में फँसकर रह जाता है और ईश्वर से दूर हो जाता है।

उन्होंने बताया कि जब आप सब कुछ त्यागकर ईश्वर की आराधना और चिंतन में लग जाते हैं, तब आपके पास चिंता करने के लिए कुछ नहीं बचता। तब स्वयं ईश्वर आपकी चिंता करते हैं और आपके सारे कार्य अपने आप बनने लगते हैं।

ईश्वर कहते हैं कि वे लोगों का कल्याण करने के लिए ही आए हैं, परंतु भक्त उनके समक्ष होने पर भी अनेक चिंताओं में लगे रहते हैं, जिसके चलते वे परमात्मा के करीब नहीं पहुँच पाते। यही कारण है कि व्यक्ति इस धरती पर बराबर पूजा-पाठ करने के बाद भी दुःखी रहता है।

गुरुजी कहते हैं कि ईश्वर की आराधना और प्रार्थना मन से की जाती है। मन में गाँठ नहीं रहनी चाहिए और आडंबर नहीं होना चाहिए। ईश्वर की आराधना में तल्लीन होकर उनकी उपासना करनी चाहिए। तुम्हें अपने होने का अहसास तक न रहे। जिस दिन तुम 'मैं' से बाहर निकल जाओगे, उस दिन परमब्रह्म को प्राप्त कर लोगे।

अर्जुन होने के लिए गुरुवाणी को अपने मन और हृदय में बसाकर उसका पालन करना होता है

जब भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का ज्ञान दिया, तब अर्जुन ने उसे ग्रहण किया और उसका अनुसरण करते हुए उसके पालन की ओर अग्रसर हुए। उनके द्वारा किया गया यही कार्य उनके मन में परमब्रह्म के दर्शन करने का भाव प्रकट करता है और वे भगवान श्रीकृष्ण से कहते हैं, "हे माधव, कृपया मुझे उस रूप के दर्शन कराइए, जो आप वास्तव में हैं।"

देखना है मुझे, तो इस सृष्टि की भव्यताओं और दिव्यताओं में देखो और प्रसन्नता में देखो

गुरुदेव कहते हैं कि भगवान ने अर्जुन से कहा, "देखना है मुझे, तो इस सृष्टि की भव्यताओं और दिव्यताओं में देखो और प्रसन्नता में देखो।" सूरज की दिव्यता को देखो, ज्योति को देखो, प्रकाश को देखो, चंद्रमा को देखो, मरीचि को देखो, शशि को देखो, गंगा को देखो। जिस भी श्रेष्ठ और दिव्य चीज़ को देखो, वहाँ मैं ही हूँ। अर्थात् यहाँ श्रीकृष्ण कहते हैं कि प्रत्येक कल्याणकारी चीज़ में मैं ही हूँ। मुझे मन से, भक्तिभाव से, जैसा चाहो, वैसे देखो।

हर मनुष्य को बचपन से ही अपने जीवन का अंधकार हरने हेतु ज्ञान धारण करना चाहिए

गुरुजी बताते हैं कि हनुमान जी ने बाल्यकाल में ही सूरज को अपने मुख में समाहित कर लिया था। सूरज ज्ञान का प्रतीक है और हनुमान जी ने बाल्यकाल में ही अपने भीतर जो भी थोड़ा-बहुत अज्ञान था, उसे नष्ट कर दिया।

उसी प्रकार आज हम सभी को भी शास्त्ररूपी सूरज और गुरुवाणी को धारण करना चाहिए। गुरुचरण में जाना चाहिए।

जिस प्रकार दक्ष प्रजापति के श्राप के चलते विलुप्त होते चाँद को भगवान शिव ने अपने शीश पर स्थान देकर उसकी रक्षा की, उसी प्रकार गुरुजन भी अबोध शिष्यों को अपने चरणों में स्थान देकर सारी बुराइयों और कुप्रवृत्तियों आदि से उनकी रक्षा करते हैं। जैसे श्रीकृष्ण ने अर्जुन को ज्ञान देकर उसे महाभारत के रण में दुनियाभर की मोह-माया आदि से बाहर निकालकर मार्गदर्शन दिया और अंत तक अर्जुन के साथ रहे, उसी प्रकार गुरु भी अपने शिष्यों के साथ रहते हैं, बशर्ते आप गुरुवाणी का अक्षरशः अनुसरण करें और उसका पालन करें।

गीता कथा के माध्यम से श्री संकर्षण शरण जी गुरुजी ने बताया कि किस प्रकार जीवनरूपी महाभारत में ईश्वर के चरणों और गुरुचरण में रहकर तथा उनकी बातों का पालन करके अपना जीवन सफल बनाया जा सकता है।

आज मौसम खराब होने के बाद भी श्रद्धालु भारी संख्या में कथा स्थल पर पहुँचे और कथा का श्रवण किया। अंत तक कथा स्थल 'जय श्रीकृष्ण' के जयकारों से गुंजायमान रहा। साथ ही, आज गुरुजी श्री संकर्षण शरण जी के दर्शन प्राप्त करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्षा डॉ. वर्णिका शर्मा कथा स्थल पर पहुँचीं। उन्होंने भी गुरुदेव के श्रीमुख से कथा का श्रवण किया और आशीर्वाद प्राप्त किया।

आज की कथा में भी आरती के उपरांत संस्था द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में 3,500 वृक्षों को बचाने मैदान में उतरे 'ट्री डॉक्टर'



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। जिस जंगल में कभी हरियाली की चादर बिछी थी, वहां आज हजारों पेड़ों की जिंदगी दांव पर है... पेड़ों की छाल को चारों तरफ से काटकर उन्हें धीरे-धीरे मौत की ओर धकेल दिया गया। लेकिन अब इन बेजुबान वृक्षों को बचाने के लिए शुरू हुई है एक बड़ी जंग! उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक वरुण जैन ने करका वन क्षेत्र में करीब 3,500 क्षतिग्रस्त वृक्षों को नया जीवन देने के लिए पहल करते हुए कर्नाटक से मशहूर 'ट्री डॉक्टर' विजय निशांत को बुलवाया है। वैज्ञानिक तकनीकों, विशेषज्ञों की टीम और वन विभाग के मैदानी अमले के साथ अब कोशिश है कि सूखने की कगार पर खड़े इन पेड़ों को फिर से हरा-भरा किया जा सके। आखिर कैसे कटे हुए तनों को जोड़कर बचाई जाएगी पेड़ों की जिंदगी?

जंगल में पेड़ों की जिंदगी बचाने की मुहिम

गरियाबंद के उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के करका वन क्षेत्र से सामने आई तस्वीरें जंगल और पर्यावरण संरक्षण को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। यहां अतिक्रमणकारियों द्वारा हजारों वृक्षों की छाल को चारों ओर से काटकर क्षतिग्रस्त कर दिया है। वन विज्ञान में इस प्रक्रिया को 'गर्डलिंग' कहा जाता है। इससे पेड़ के तने में पोषक तत्वों का परिवहन बाधित हो जाता है और समय के साथ वृक्ष सूखकर मर सकता है। इसी संकट को देखते हुए उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक वरुण जैन ने क्षतिग्रस्त वृक्षों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए विशेष वैज्ञानिक अभियान शुरू किया है। लक्ष्य है करीब 3,500 वृक्षों को बचाना और उनकी स्थिति के अनुसार उपचार कर उन्हें दोबारा जीवन देने की हरसंभव कोशिश करना।

1.25 लाख से अधिक वृक्ष नष्ट होने का अनुमान

करका वन क्षेत्र में हुए नुकसान की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ड्रोन सर्वेक्षण और उपग्रह चित्रों के तुलनात्मक विश्लेषण के अनुसार, पिछले एक दशक में यहां 1.25 लाख से अधिक वृक्षों के नष्ट किए जाने का अनुमान है। रिजर्व प्रशासन के मुताबिक उपलब्ध सर्वेक्षण के अनुसार, क्षेत्र में अतिक्रमण का दायरा भी तेजी से बढ़ा है। वर्ष 2016 में करीब 22 हेक्टेयर रहा अतिक्रमण वर्ष 2026 में बढ़कर 102.47 हेक्टेयर तक पहुंच गया। ये आंकड़े इस संवेदनशील वन क्षेत्र में हुए व्यापक पारिस्थितिक नुकसान की ओर इशारा करते हैं।

पेड़ों के इलाज के लिए पहुंचे 'ट्री डॉक्टर'

इन वृक्षों को बचाने की मुहिम में अब विशेषज्ञता का सहारा लिया जा रहा है। प्रसिद्ध वृक्ष संरक्षण विशेषज्ञ और प्रोजेक्ट वृक्ष फाउंडेशन से जुड़े विजय निशांत, जिन्हें 'ट्री डॉक्टर' के नाम से जाना जाता है, कर्नाटक से उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व पहुंचे हैं। विशेषज्ञों की टीम क्षतिग्रस्त वृक्षों की स्थिति का आकलन कर उनके उपचार की रणनीति तैयार कर रही है। हर पेड़ का इलाज एक जैसा नहीं होगा, बल्कि उसकी प्रजाति, क्षति की गंभीरता और जीवित बचने की संभावना के आधार पर उपचार तय किया जाएगा।

चार श्रेणियों में बांटे गए 3,500 वृक्ष

अभियान के तहत चिह्नित वृक्षों को उनकी स्थिति और पुनर्जीवन की संभावनाओं के आधार पर चार श्रेणियों में विभाजित किया गया है। बताया गया कि पहली श्रेणी में वे वृक्ष हैं, जिन्हें तत्काल प्राथमिक उपचार और ट्री बैंडेजिंग की जरूरत है। दूसरी श्रेणी में ऐसे वृक्ष शामिल हैं, जिनके जीवित बचने की अनुमानित संभावना 50 से 75 प्रतिशत तक है। इनके लिए ब्रिज ग्राफ्टिंग जैसी तकनीकों से उपचार किया जाएगा। तीसरी श्रेणी में गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त वे वृक्ष हैं, जिनके जीवित बचने की संभावना 50 प्रतिशत से कम आंकी गई है। इन्हें गहन उपचार और नियमित निगरानी की जरूरत होगी।

वहीं, चौथी श्रेणी में पूरी तरह मृत और पुनर्जीवित नहीं हो सकने वाले वृक्ष शामिल हैं। ऐसे वृक्षों के मामले में विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार चुनिंदा कटाई और ठूंठ अथवा जीवित जड़ों से प्राकृतिक पुनर्जनन की संभावना पर काम किया जाएगा।

सेवा सेतु पोर्टलः अब सरकारी योजनाओं का लाभ उठाना हुआ और भी सरल, मोहम्मद जाफर का आय प्रमाण पत्र बनकर तैयार



सूरजपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ शासन की डिजिटल पहल सेवा सेतु के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा मिल रही है। आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र जैसे जरूरी दस्तावेजों के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया उपलब्ध होने से लोगों को सहूलियत हो रही है। सूरजपुर जिले के तहसील भटगांव के मलगा के निवासी मोहम्मद जाफर कलाम के लिए सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आय प्रमाण पत्र जारी किया गया है। यह प्रमाण पत्र उन्हें भविष्य में विभिन्न योजना का लाभ लेने में उपयोगी होगा।

मोहम्मद जाफर बताते है कि उन्होंने ने सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से जरूरी दस्तावेज आय प्रमाण पत्र प्राप्त करने आवेदन किया और महज दो दिनों के भीतर उन्हें शीघ्र प्रमाण पत्र जारी हो गया। मोहम्मद ने इस प्रक्रिया को सुलभ बनाने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन माध्यम से शासकीय सेवाएं उपलब्ध होने से नागरिकों को जरूरी दस्तावेज प्राप्त करने में सहूलियत मिल रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शासकीय सेवाओं को सरल, पारदर्शी और जनसुलभ बनाने के उद्देश्य से सेवा सेतु पोर्टल संचालित किया जा रहा है। इस पोर्टल पर लगभग 900 से अधिक शासकीय सेवाएं उपलब्ध हैं। इससे पहले ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के माध्यम से सीमित सेवाएं उपलब्ध थीं, जिन्हें विस्तारित कर सेवा सेतु के जरिए अधिक सेवाओं को एक ही मंच पर उपलब्ध कराया गया है। पोर्टल के माध्यम से आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र सहित विभिन्न विभागों की सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है और घर बैठे विभिन्न सुविधा का लाभ लिया जा सकता है।

डिप्टी सीएम अरुण साव के प्रयास से बोड़तरा कला में बनेगा नया सब स्टेशन

जनपद अध्यक्ष वर्षा विक्रम सिंह ने डिप्टी सीएम अरुण साव का आभार व्यक्त किया



लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। लोरमी विधानसभा क्षेत्र और इसके अंतर्गत आने वाले ग्रामीण अंचलों के विकास को गति देते हुए एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही बिजली की समस्या को दूर करने के लिए ग्राम पंचायत बोड़तराकलाँ में एक नए विद्युत सब स्टेशन के निर्माण को शासकीय मंजूरी दे दी गई है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री व स्थानीय विधायक अरुण साव के विशेष और सतत प्रयासों के फलस्वरूप संभव हो सकी है। इस मंजूरी के बाद अब स्थानीय ग्रामीणों को अघोषित बिजली कटौती और लो-वोल्टेज की गंभीर समस्या से हमेशा के लिए निजात मिल जाएगी।

मिली जानकारी के अनुसार, शासन ने इस महत्वपूर्ण विद्युत परियोजना की गंभीरता को देखते हुए 2 करोड़ 65 लाख रुपये की बड़ी बजट राशि की प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी है। इस राशि से बोड़तराकलाँ में अत्याधुनिक तकनीकी मानकों के अनुरूप नए सब स्टेशन का ढांचा तैयार किया जाएगा। विभागीय सूत्रों का कहना है कि बजट मिलने के बाद अब इसके टेंडर और निर्माण कार्य की प्रक्रिया को भी जल्द से जल्द गति दी जाएगी, ताकि समय सीमा के भीतर इस कार्य को पूरा किया जा सके।

लो वोल्टेज व बिजली कटौती से जूझ रहे थे ग्रामीण

गौरतलब है कि ग्राम पंचायत बोड़तराकलाँ और उससे लगे दर्जनों गांवों के लोग पिछले लंबे समय से बिजली की लचर व्यवस्था के कारण बेहद परेशान थे। ग्रामीण क्षेत्रों में लो-वोल्टेज की वजह से न तो किसानों के सिंचाई पंप ठीक से चल पा रहे थे और न ही बच्चों की पढ़ाई सुचारू रूप से हो पा रही थी। इसके अलावा, गर्मी और उमस के दिनों में बार-बार होने वाली अघोषित बिजली कटौती ने स्थानीय लोगों का जीना मुहाल कर रखा था। ग्रामीण लगातार इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए मांग उठा रहे थे।

खेती-किसानी और स्थानीय व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

विशेषज्ञों और स्थानीय जानकारों का मानना है कि बोड़तराकलाँ में नया विद्युत सब स्टेशन बन जाने से केवल घरेलू उपभोक्ताओं को ही राहत नहीं मिलेगी, बल्कि इसका सीधा फायदा क्षेत्र के किसानों को होगा। पर्याप्त और सुचारू वोल्टेज मिलने से खेतों में सिंचाई व्यवस्था मजबूत होगी, जिससे फसलों की पैदावार बढ़ेगी। इसके साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-मोटे कुटीर उद्योग, व्यवसाय और वेल्डिंग जैसी दुकानें चलाने वाले स्थानीय व्यापारियों को भी बेहतर बिजली सप्लाई मिलने से उनके काम-धंधे में तेजी आएगी।

जनपद अध्यक्ष वर्षा सिंह व ग्रामीणों ने आभार व्यक्त किए

जैसे ही शासन स्तर से इस सब स्टेशन की मंजूरी और 2.65 करोड़ के बजट की खबर क्षेत्र में पहुंची, वैसे ही बोड़तराकलाँ सहित आसपास के पूरे इलाके में खुशी की लहर दौड़ गई। जनपद पंचायत अध्यक्ष वर्षा विक्रम सिंह ने बोड़तरा कला में सब स्टेशन की स्वीकृत को लेकर क्षेत्र के विकास के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया है। बुनियादी सुविधाओं में सुधार की इस बड़ी सौगात के लिए ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों, किसानों और आम नागरिकों ने उपमुख्यमंत्री अरुण साव की इस दूरदर्शी पहल की सराहना की है और उनके प्रति अपना गहरा आभार व्यक्त किया है।

बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायाधीशों ने संभाली कमान, स्कूलों में लग रहे विशेष जागरूकता शिविर

गरियाबंद में 'सुरक्षित बचपन अभियान' के तहत बच्चों को गुड टच-बैड टच, बाल विवाह, पॉक्सो कानून और साइबर अपराध से बचाव की दी जा रही जानकारी



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से माननीय नालसा के निर्देशन में तालुका विधिक सेवा समिति गरियाबंद द्वारा 'सुरक्षित बचपन अभियान' के तहत जिले के विभिन्न स्कूलों में विशेष जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा के उपायों और बाल अपराधों से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है। इन शिविरों में जिला एवं अपर सत्र न्यायालय के न्यायाधीशगण स्वयं स्कूलों में पहुंचकर बच्चों से संवाद कर रहे हैं।

अभियान की थीम 'जागरूकता, सुरक्षा एवं संरक्षण—हर बच्चे का अधिकार' रखी गई है। इसके अंतर्गत 'मेरा बचपन, मेरा अधिकार', 'बोलो, बताओ, बचाओ', 'ना बाल विवाह, ना बाल शोषण', 'कानून जानो, बचपन बचाओ', 'सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित बचपन' और 'जागरूक बचपन, सशक्त भारत' जैसे संदेशों के माध्यम से बच्चों को जागरूक किया जा रहा है।

न्यायाधीशगण बच्चों को बता रहे सुरक्षा और कानून के अधिकार

तालुका विधिक सेवा समिति गरियाबंद के अध्यक्ष एवं जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री बी.आर. साहू, फास्ट ट्रैक पॉक्सो स्पेशल कोर्ट की न्यायाधीश श्रीमती गंगा पटेल तथा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुश्री खुशबू जैन द्वारा विभिन्न शासकीय, अर्धशासकीय एवं निजी स्कूलों में आयोजित शिविरों में बच्चों को महत्वपूर्ण कानूनी जानकारियां दी जा रही हैं।

शिविरों में बच्चों को गुड टच-बैड टच की पहचान, किसी भी प्रकार के शोषण से बचाव, बालकों के संरक्षण से संबंधित कानूनी प्रावधान, पॉक्सो अधिनियम तथा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है। इसके साथ ही वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए बच्चों को इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने तथा किसी भी असामान्य या अनुचित गतिविधि की स्थिति में उचित कदम उठाने के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

बच्चों की सुरक्षा समाज की सामूहिक जिम्मेदारी

शिविरों को संबोधित करते हुए न्यायाधीशगण ने कहा कि एक सुंदर, सुरक्षित और संवेदनशील समाज की स्थापना के लिए बच्चों की सुरक्षा, गरिमा और उनके अधिकारों को सुनिश्चित करना आवश्यक है। बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। विशेषकर बाल्यावस्था की कोमल उम्र में बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना बेहद महत्वपूर्ण है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बच्चों को अपने साथ होने वाली किसी भी अनुचित घटना के संबंध में बिना भय के अपनी बात रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। परिवार, विद्यालय और समाज के सभी वर्गों के सक्रिय सहयोग से ही बच्चों के लिए सुरक्षित, संरक्षित और भयमुक्त वातावरण तैयार किया जा सकता है।

विभिन्न विभागों के समन्वय से हो रहा शिविरों का संचालन

नालसा के निर्देशानुसार आयोजित इन शिविरों का संचालन न्यायाधीशगण, पैनल अधिवक्ताओं, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गठित सामाजिक कार्यकर्ताओं, बाल कल्याण समिति, चाइल्ड हेल्पलाइन इकाई, विशेष किशोर पुलिस इकाई तथा अधिकार मित्रों के सहयोग से किया जा रहा है। विभिन्न विभागों की सहभागिता से बच्चों को कानूनी सहायता, सुरक्षा तंत्र और आवश्यक सहयोग के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।

इन स्कूलों में हो चुके हैं शिविर

सुरक्षित बचपन अभियान के अंतर्गत अब तक द्रोणाचार्य पब्लिक स्कूल, प्राथमिक एवं मिडिल स्कूल मालगांव, सरस्वती शिशु हायर सेकंडरी स्कूल गरियाबंद, संत सिया भुनेश्वरी शरण गुरुकुल कुटेना, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम स्कूल गरियाबंद तथा स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल गरियाबंद में जागरूकता शिविर आयोजित किए जा चुके हैं।

गंगरेल में संकट के बीच मददगार बनी ब्लू एडवेंचर स्पोर्ट्स एसोसिएशन की टीम, बबलू निषाद को सुरक्षित पहुंचाया गांव



धमतरी (वीएनएस)। गंगरेल जलाशय में अचानक बदले मौसम और तेज लहरों के बीच संकट में फंसे एक मछुआरे के लिए गंगरेल ब्लू एडवेंचर स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ की टीम मददगार साबित हुई। टीम ने तत्परता दिखाते हुए ग्राम बरारी निवासी बबलू निषाद को सुरक्षित उनके गांव पहुंचाया। संकट की इस घड़ी में टीम की सक्रियता, स्थानीय लोगों की सूचना और जिला प्रशासन के सहयोग से एक संभावित हादसे को गंभीर परिणामों में बदलने से बचाने में मदद मिली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम बरारी निवासी बबलू निषाद पेशे से मछुआरे हैं। बीते दिनों वे लकड़ी चुनने के लिए नाव से ठेमली आइलैंड गए थे। इसी दौरान मौसम में बदलाव और हवा की गति बढ़ने से जलाशय में लहरें तेज हो गईं। परिस्थितियां प्रतिकूल होते देख उन्हें नाव पलटने का अंदेशा हुआ। उन्होंने अपने परिवार से संपर्क कर स्थिति की जानकारी दी, लेकिन इसी बीच नाव अनियंत्रित होकर पलट गई।

मुश्किल परिस्थितियों में भी बबलू ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने लगभग 100 मीटर तक तैरकर दूसरे टापू पर पहुंचकर आश्रय लिया। अंधेरा होने के कारण जंगल में रास्ता तलाशना भी उनके लिए चुनौतीपूर्ण हो गया। उधर, परिवार के सदस्य और ग्रामीण उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित थे। उनके द्वारा दी गई सूचना के बाद गंगरेल ब्लू एडवेंचर स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ की टीम सक्रिय हुई। टीम ने वाटर एम्बुलेंस की मदद से बबलू को सुरक्षित बाहर निकाला और उनके गांव पहुंचाया। इस अभियान में सत्येंद्र शिव, राजेश मुकेश सहित अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गंगरेल जलाशय जैसे विस्तृत जलक्षेत्र में अचानक उत्पन्न होने वाली आपात परिस्थितियों में त्वरित सूचना, आपसी समन्वय और उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग बेहद महत्वपूर्ण है। इस घटना में स्थानीय लोगों की सतर्कता और बचाव दल की तत्परता के साथ जिला प्रशासन का सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा। ऐसे समन्वित प्रयास आपात स्थिति में प्रभावित व्यक्ति तक समय पर सहायता पहुंचाने और उसकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने में सहायक होते हैं।

यह घटना संदेश देती है कि जलाशय में नाव से आवागमन के दौरान मौसम की स्थिति पर विशेष ध्यान देना, सुरक्षा के आवश्यक उपाय अपनाना और प्रतिकूल परिस्थितियों में जोखिम लेने से बचना जरूरी है। समय पर मिली सूचना और सामूहिक प्रयासों से बबलू निषाद की सुरक्षित वापसी संभव हो सकी।

बैलाडीला बुल्स की पहली जीत, सेमीफाइनल की उम्मीदें कायम

रायपुर ■ दैनन्दिनी



छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में बैलाडिला बुल्स ने रायपुर रॉयल्स को 1-0 से हराकर पहली जीत दर्ज की। इस जीत से बैलाडिला बुल्स की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें कायम हैं, जबकि रायपुर रॉयल्स बिना कोई जीत हासिल किए प्रतियोगिता से बाहर हो गई। वहीं, दूसरे मुकाबले में न्यायधानी नाइट्स और मैनपाट टाइटंस के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ।

बैलाडिला बुल्स और रायपुर रॉयल्स के बीच खेले गए मुकाबले में बारिश के कारण करीब एक घंटे की देरी हुई। मैदान गीला होने से खिलाड़ियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद दोनों टीमों ने गोल करने के लिए प्रयास किए। बैलाडिला बुल्स की ओर से राहुल यादव ने शुरुआती दौर में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। यही गोल मैच का निर्णायक गोल साबित हुआ।

बैलाडिला बुल्स ने बढ़त को बनाए रखने के लिए रक्षात्मक खेल दिखाया। टीम की ओर से गोपाल पैकरा ने भी गोल करने का प्रयास किया, लेकिन उनका दूसरा गोल मान्य नहीं हुआ। जसकरण को पेनल्टी कॉर्नर से गोल करने के मौके मिले, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। दूसरी ओर रायपुर रॉयल्स की टीम भी पेनल्टी कॉर्नर का फायदा उठाकर बराबरी नहीं कर पाई। पूरे मुकाबले में रायपुर रॉयल्स गोल करने में नाकाम रही। मैच में बेहतर प्रदर्शन के लिए हिमांशु को प्लेयर ऑफ द मैच और राहुल यादव को स्ट्राइकर ऑफ द मैच चुना गया।

न्यायधानी नाइट्स और मैनपाट टाइटंस का मैच ड्रॉ-प्रतियोगिता के दूसरे मुकाबले में न्यायधानी नाइट्स और मैनपाट टाइटंस के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। दोनों टीमों ने एक-एक गोल किया और मैच 1-1 से ड्रॉ रहा। न्यायधानी नाइट्स की ओर से केतन ने दूसरे क्वार्टर में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। टूर्नामेंट में यह उनका छठा गोल रहा। इसके बाद मैनपाट टाइटंस ने वापसी की कोशिश जारी रखी। चौथे क्वार्टर में मैनपाट टाइटंस के मोहित नायक ने गोल कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद दोनों टीमें बढ़त बनाने के लिए प्रयास करती रहीं, लेकिन कोई भी टीम निर्णायक गोल नहीं कर सकी। केतन को स्ट्राइकर ऑफ द मैच और मोहित नायक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। न्यायधानी नाइट्स पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है। वहीं, मैनपाट टाइटंस की आगे की राह का फैसला 29 अक्टूबर को संस्कारधानी स्ट्राइकर्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले के बाद होगा।

- बैलाडिला बुल्स ने रायपुर रॉयल्स को 1-0 से हराया।
- राहुल यादव ने मैच का एकमात्र गोल किया।
- बारिश के कारण मुकाबला करीब एक घंटे देरी से शुरू हुआ।
- न्यायधानी नाइट्स और मैनपाट टाइटंस का मैच 1-1 से ड्रॉ रहा।
- न्यायधानी नाइट्स सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है, जबकि मैनपाट टाइटंस की उम्मीदें कायम हैं।

पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभाएं स्काउट्स-गाइड्स : राज्यपाल डेका

लोकभवन में 1122 प्रतिभागियों को राज्य पुरस्कार प्रदान किए उत्कृष्ट सेवाओं के लिए स्काउटर-गाइडर भी सम्मानित



रायपुर ■ दैनन्दिनी

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। जल और जंगल को बचाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। स्काउट्स-गाइड्स पर्यावरण संरक्षण, जल संचयन और वनों की रक्षा में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की सराहना करते हुए युवाओं से प्रकृति संरक्षण के लिए आगे आने का आह्वान किया। राज्यपाल गुरुवार को लोकभवन स्थित छत्तीसगढ़ मंडपम में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित राज्य पुरस्कार अलंकरण समारोह में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेशभर से चयनित 1122 स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स और रेंजर्स को राज्य पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षा मंत्री एवं संगठन के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र यादव ने की।

राज्यपाल ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि स्काउट्स-गाइड्स का आदर्श वाक्य 'तैयार रहो' कठिन परिस्थितियों का सामना करने और जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की प्रेरणा देता है। पुरस्कार मिलने के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ती है। प्रतिभागियों को समाजसेवा में सक्रिय योगदान देना चाहिए और अपने आचरण से दूसरों के लिए प्रेरणा बनना चाहिए। उन्होंने बस्तर क्षेत्र से आए प्रतिभागियों की उपस्थिति पर प्रसन्नता जताई। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खात्मे के बाद बस्तर में शांति स्थापित हुई है और क्षेत्र विकास की ओर बढ़ रहा है। युवाओं को कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के साथ लक्ष्य हासिल करने का प्रयास करना चाहिए। शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि स्काउटिंग अनुशासन, सेवा और समर्पण के मूल्यों को बढ़ावा देती है। इससे जुड़ा व्यक्ति जीवनभर सेवा की भावना के साथ काम करता है। उन्होंने प्रतिभागियों को भविष्य में राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त करने के लिए भी शुभकामनाएं दीं। समारोह में 405 स्काउट्स, 528 गाइड्स, 64 रोवर्स और 125 रेंजर्स को सम्मानित किया गया। स्काउटिंग में उत्कृष्ट योगदान के लिए योगेश्वर प्रसाद गांगुली, तनुजा बंजारे, लता वैष्णव सहित विभिन्न श्रेणियों के प्रतिभागियों को सम्मान मिला। दीर्घकालीन सेवाओं के लिए शैलेंद्र मिश्रा, आनंद राम बघेल, पवन कुमार नायक, विनोद कुमार हथेल, शशि बंछोर और रजनी रेड्डी को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशि प्रदान की गई। समारोह में पीपिंग सेरेमनी भी आयोजित हुई।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में सार्वजनिक-निजी भागीदारी मूल्यांकन समिति बैठक संपन्न

रायपुर ■ दैनन्दिनी



मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज यहाँ मंत्रालय महानदी भवन में सार्वजनिक-निजी भागीदारी मूल्यांकन समिति की उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य में अधोसंरचना विकास और औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रस्तावित कई प्रमुख पीपीपी परियोजनाओं के प्रस्तावों की गहन समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्य की सभी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए, ताकि निवेशकों को बेहतर वातावरण मिले और राज्य के विकास को गति प्राप्त हो सके। बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णय एवं इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर नवा रायपुर में स्थापित होने वाले अंतरराष्ट्रीय स्तर के कन्वेंशन सेंटर के लिए निविदा शर्तों तथा रियायत समझौते के संशोधित प्रावधानों पर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में अनुभवी डेवलपर्स को आकर्षित करने के लिए तकनीकी पात्रता मानदंडों और क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। ट्रांसपोर्ट नगर बिलासपुर में लॉजिस्टिक्स और परिवहन सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रस्तावित ट्रांसपोर्ट नगर परियोजना के न्यूनतम विकास दायित्वों और प्री-बिड बैठक में प्राप्त सुझावों पर चर्चा हुई। रायपुर के पंडरी में कृषि उपज मंडी की भूमि पर स्थापित होने वाले जेम्स एंड ज्वैलरी पार्क के लिए राजस्व विभाग द्वारा जारी भूमि आवंटन शर्तों और प्रावधानों में एकरूपता लाने तथा विकास अवधि के समन्वय के संबंध में विचार-विमर्श हुआ। कमर्शियल टॉवर व फ्लैटेड फैक्ट्री (भिलाई) एवं औद्योगिक क्षेत्र छाती धमतरी के संबंध में जानकारी दी गई कि भिलाई में कमर्शियल टॉवर, फ्लैटेड फैक्ट्री की परियोजनाओं को अब छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा स्वयं विकसित किए जाने का प्रस्ताव रखा गया है। बैठक में वित्त एवं जनसम्पर्क विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव श्री रजत कुमार, सीएसआईडीसी के एमडी श्री विश्वेश कुमार सहित समिति के अन्य सदस्य शामिल हुए।



राज्यपाल श्री रमेन डेका से एयर ऑफिसर कमांडिंग श्री नंदा कुमार बाला ने की सौजन्य भेंटरायपुर, 29 अक्टूबर 2026/ राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोक भवन में एयर कमोडोर, एवं एयर ऑफिसर कमांडिंग हेड क्वाटर एंटी नक्सल टास्क फोर्स श्री नंदा कुमार बाला ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर कैप्टन वैभव विशाल, जीपी कैप्टन अभिजीत कुमार, सीडीआर प्रियांशु, स्क्वा.लीडर अंकिता सिंह, स्क्वा. लीडर विनय पाठक, लेफ्टिनेंट शशांक, लेफ्टिनेंट साई अक्षय भी उपस्थित थे।

खराब मौसम और बारिश के कारण छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के आज के मुकाबले स्थगित

रायपुर.चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के कारण छत्तीसगढ़ में बने प्रतिकूल मौसम के चलते मैदान में खिलाड़ियों की सुरक्षा और दर्शकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के आज होने वाले दोनों मैचों को स्थगित कर दिया गया है। अब ये मैच शुक्रवार, 30 अक्टूबर को खेले जाएंगे। चक्रवात के प्रभाव से प्रदेश में बिगड़े मौसम और इससे उत्पन्न संभावित जोखिमों को ध्यान में रखते हुए आयोजन समिति ने एहतियात के तौर पर मैचों की तारीख बदलने का निर्णय लिया है। लीग के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज शाम साढ़े 5 बजे संस्कारधानी स्ट्राइकर्स और मैनपाट टाइटन्स के बीच मुकाबला होना था। वहीं शाम साढ़े 7 बजे से चक्रधर चैंपियन्स और बैलाडीला बुल्स के बीच मैच निर्धारित था। अब ये दोनों मैच कल शुक्रवार को क्रमशः साढ़े 5 बजे और साढ़े 7 बजे खेले जाएंगे। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा पहली बार आयोजित छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में 22 अक्टूबर से रोज हॉकी का रोमांच देखने को मिल रहा है। सभी टीमें अपने शानदार खेल से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रहे हैं।

बाबा कार्तिक उरांव के नाम पर होगा इंजीनियरिंग कॉलेज, सीतापुर में बनेगी फोरलेन सड़क

मुख्यमंत्री साय ने प्रतिमा का किया वर्चुअल अनावरण, 28 करोड़ रुपये से अधिक के सड़क निर्माण का भूमिपूजन

रायपुर ■ दैनन्दिनी



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुरुवार को राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअल माध्यम से सरगुजा अंचल में आयोजित जनजातीय समाज के महान जननायक एवं पूर्व सांसद बाबा कार्तिक उरांव की जन्मशताब्दी समारोह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने बाबा कार्तिक उरांव की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया और अंबिकापुर के शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, डिगमा का नाम बदलकर 'अभियंता बाबा कार्तिक उरांव छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अंबिकापुर' करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव का जीवन शिक्षा, संघर्ष, सामाजिक चेतना और जनजातीय समाज के स्वाभिमान की प्रेरक गाथा है। उच्च शिक्षित अभियंता के रूप में उन्होंने अपनी पहचान बनाई और जनजातीय समाज के अधिकारों, शिक्षा तथा सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण के लिए जीवन समर्पित किया। सांसद के रूप में उन्होंने जनजातीय समुदाय के संवैधानिक अधिकारों और समस्याओं को संसद में उठाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके नाम पर संस्थान का नामकरण विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा के साथ समाजसेवा की प्रेरणा देगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सीतापुर क्षेत्र में सोनतराई से सूर तक लगभग 3.82 किलोमीटर लंबी फोरलेन सड़क निर्माण का भूमिपूजन किया। इस परियोजना पर 28 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जाएंगे। सड़क चौड़ीकरण से यातायात सुगम और सुरक्षित होगा। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों की पहुंच, व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा निर्मित उदयपुर के महिला एनजीओ मेस भवन, 12 अराजपत्रित अधिकारी आवास तथा 12 प्रधान आरक्षक एवं आरक्षक आवासों का लोकार्पण किया। थाना सीतापुर में भी 12 प्रधान आरक्षक एवं आरक्षक आवासीय भवनों का लोकार्पण हुआ। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने जनजातीय महापुरुषों की विरासत को संरक्षित करने और उनके विचार नई पीढ़ी तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने बस्तर में शांति और विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। कार्यक्रम में जनजातीय विकास मंत्री रामविचार नेताम, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल और सांसद चिंतामणि महाराज ने बाबा कार्तिक उरांव के योगदान को याद किया। विधायक उद्धेश्वरी पैकरा, रामकुमार टोप्पो, महापौर मंजूषा भगत सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और क्षेत्रवासी भी उपस्थित रहे।

- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बाबा कार्तिक उरांव की आदमकद प्रतिमा का वर्चुअल अनावरण किया।
- अंबिकापुर के शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय का नाम बाबा कार्तिक उरांव के नाम पर रखने की घोषणा।
- सीतापुर में सोनतराई से सूर तक 3.82 किलोमीटर फोरलेन सड़क का भूमिपूजन, लागत 28 करोड़ रुपये से अधिक।
- उदयपुर और सीतापुर में पुलिस आवासीय भवनों का लोकार्पण।

सार-बातें सरगुजा, जशपुर, कबीरधाम और बस्तर के जनजातीय हितग्राहियों को होम-स्टे संचालन एवं डिजिटल मार्केटिंग का विशेष प्रशिक्षण

जनजातीय अंचलों में पर्यटन से खुलेंगे रोजगार के नए द्वार

रायपुर ■ दैनन्दिनी



छत्तीसगढ़ के जनजातीय और ग्रामीण अंचलों में होम-स्टे और पर्यटन के माध्यम से स्थानीय लोगों, युवाओं और महिला समूहों के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए द्वार खुल रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा नई उद्योग नीति एवं होमस्टे नीति के तहत बस्तर, सरगुजा और जशपुर जैसे जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, पारंपरिक खान-पान और ग्रामीण जीवनशैली को देश-दुनिया के पर्यटकों तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। छत्तीसगढ़ के जनजातीय अंचलों में पर्यटन की संभावनाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के वित्तीय सहयोग से आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (टीआरटीआई), नवा रायपुर द्वारा अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को होम-स्टे संचालन के माध्यम से आजीविका के नए अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल के प्रथम चरण में प्रदेश के चार चयनित जिलों सरगुजा, जशपुर, कबीरधाम और बस्तर के हितग्राहियों को शामिल किया गया है। इसी क्रम में 28 अक्टूबर को टीआरटीआई परिसर में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल एवं भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), रायपुर के तकनीकी सहयोग से एक दिवसीय राज्य स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में टीआरटीआई की संचालक सुश्री हिना अनिमेष नेताम ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक जीवनशैली और प्राकृतिक सौंदर्य देश-विदेश के पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। होम-स्टे पर्यटन के विस्तार से स्थानीय परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ ही प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहित करने से रोजगार के स्थानीय अवसर विकसित होंगे। इससे जनजातीय परिवार अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक विशेषताओं को संरक्षित रखते हुए नियमित आय अर्जित कर सकेंगे। प्रशिक्षण के प्रथम तकनीकी सत्र में छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग की विशेषज्ञ डॉ. शुभदा चतुर्वेदी ने होम-स्टे नीति के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने पंजीयन प्रक्रिया, शासन द्वारा निर्धारित मानकों, आवश्यक दस्तावेजों तथा उपलब्ध अनुदान सहायता के संबंध में विस्तार से मार्गदर्शन किया। द्वितीय सत्र में आईआईएम रायपुर की विशेषज्ञ सुश्री तौशीफ आयशा अंसारी ने होम-स्टे को सफल उद्यम के रूप में विकसित करने के व्यावहारिक उपाय बताए।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत विगत तीन वर्षों में 6,836 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान

रायपुर.छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों के लिए विगत तीन वर्षों में कुल 6,836.51 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। मिशन के अंतर्गत एकल ग्राम एवं समूह जलप्रदाय योजनाओं सहित अन्य मदों में नियमानुसार भुगतान की प्रक्रिया निरंतर जारी है। जल जीवन मिशन के राज्य कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार विगत तीन वर्षों में एकल ग्राम योजनाओं के अंतर्गत 4,985.35 करोड़ रुपये तथा समूह जलप्रदाय योजनाओं के अंतर्गत 1,690.94 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। इसी प्रकार सपोर्ट मद में 136.18 करोड़ रुपये तथा जल गुणवत्ता जांच संबंधी कार्यों के लिए 24.04 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। विभागीय जानकारी के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष में एकल ग्राम योजनाओं के भुगतान के लिए 612 करोड़ रुपये का आबंटन प्राप्त हुआ है। इसके विरुद्ध अब तक 162.46 करोड़ रुपये का आबंटन जारी किया जा चुका है। शेष राशि के संबंध में भी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार भुगतान की कार्यवाही जारी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com